सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

जस्सी भाई की कमी खली, अगर वह होते तो यह खास होता: पांचवें टेस्ट में जीत पर बोले सिराज -पेजः 7

सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज होने पर खुशी से झूमीं मृणाल ठाकुर -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 118 | बुधवार 06 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

पीएम मोदी ने की अमित शाह की तारीफ, जानिए आडवाणी के किस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए मिली गृह मंत्री को बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी): 5 अगस्त यानी मंगलवार को एनडीए पार्लियामेंट्री पार्टी की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह की जमकर तारीफ की। सदन में एनडीए के सहयोगी दलों के बीच समन्वय के लिए पीएम मोदी ने शाह की तारीफ की। यह जानकारी शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने दी। एनडीए सांसदों पीएम मोदी की तारीफ की- म्हस्के एएनआई से बात करते हुए शिवसेना सांसद ने कहा, आज सभी एनडीए सांसदों ने एनडीए पार्लियामेंट्री पार्टी की बैठक में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सराहना की। पीएम ने सांसदों को सरकार के कामों को जनता के बीच ले जाने को कहा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग के लिए विपक्ष का धन्यवाद दिया जिससे देश इसके बारे में जान सका और विपक्ष का रवैया भी। एनडीए को एकजुटता के साथ काम करना है- पीएम मोदी म्हस्के ने बताया उन्होंने कहा कि एनडीए को एकजुटता के साथ काम करना है, जहां

एनडीए संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह की सदन में समन्वय के लिए प्रशंसा की। शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने बताया कि पीएम मोदी ने सांसदों को सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाने का आग्रह किया।

भारतीय जनता पार्टी सत्ता में उनमें बीजेपी के नेतृत्व में और जहा सहयोगियों की सरकार हैं, वहां उनके नेतृत्व में। प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री अमित शाह की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने संसद के सुचारू कार्रवाई के लिए अहम रोल निभाया। प्रधानमंत्री ने देशहित के मुद्दों पर बात की साथ ही भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था के बारे में भी बताया। सुरेश गोपी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उत्साह के साथ बताया कि कैसे प्रतिनिधिमंडल को दूसरे देशों में भेजकर वैश्विक समर्थन हासिल किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, पूरी दुनिया आज प्रधानमंत्री का सम्मान कर रही है। जब उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद की स्थिति और दूसरे देशों में भेजे प्रतिनिधिमंडल के बारे में जोरदार ढंग से बात की।उन्होंने इस बात पर खुशी जताते हुए कहा कि जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग की थी वो चर्चा बुलाने पर विलाप करने लगे। देश में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले गृह मंत्री बने अमित शाह ऐतिहासिक रिकॉर्ड के मुकाबिक, गृह मंत्रालय में सबसे लंबा कार्यकाल लालकृष्ण आडवाणी का था जिसे पिछले हफ्ते अमित शाह ने पीछे छोड़ दिया और देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले गृह मंत्री बन गए हैं। वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय ने भी भारतीय सेना की तारीफ करते हुए कहा कि पूरे देश को उनकी बहादुरी पर गर्व है। उन्होंने कहा कि अगर सीजफायर नहीं होता तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत का हिस्सा होता। उन्होंने कहा, हम सेना का सम्मान करते हैं, सभी को उन पर गर्व है और किसी ने भी उन पर सवाल नहीं उठाया। लेकिन जो अपनी पीठ थपथपा रहे हैं और अपनी तारीफ कर रहे हैं उनसे जरूर पूछा जाएगा कि सेना को सीजफायर के आदेश क्यों दिए? मुझे लगता है कि अगर सीजफायर का आदेश नहीं दिया जाता तो पीओके आज भारत के साथ होता।

ममता बनर्जी का एक्शन, कल्याण बनर्जी को हटा काकोली घोष को बनाया चीफ व्हिप; किसे मिली उपनेता की जिम्मेदारी?

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मंगलवार (05 अगस्त, 2025) को बारासात से सांसद काकोली घोष दस्तीदार को नया मुख्य सचेतक नियुक्ति किया है। इसके अलावा अभिनेता से नेता बनीं शताब्दी रॉय को सदन में अपना उपनेता नियुक्त किया। इससे पहले लोकसभा में टीएमसी के मुख्य सचेतक कल्याण बनर्जी थे। उन्होंने कृष्णानगर से सांसद और पार्टी सहयोगी महुआ मोइत्रा के साथ विवाद के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। टीएमसी ने की फेरबदल की घोषणा पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के ऑफिशियल हैंडल पर कहा, कल्याण बनर्जी ने कल लोकसभा में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा अध्यक्ष को सौंप दिया है, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। उस भूमिका में उनके योगदान के लिए अध्यक्ष ने उन्होंने धन्यवाद दिया है। पार्टी ने आगे कहा, वरिष्ठ सांसदों के परामर्श से अध्यक्ष ने डॉ. काकोली घोष दस्तीदार को लोकसभा में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का नया मुख्य सचेतक और शताब्दी रॉय को तत्काल प्रभाव से लोकसभा में एआईटीसी का उपनेता नामित किया है।

मुझे नीतीश कुमार और उनके शासन पर भरोसा है, चिराग पासवान का बड़ा बयान, विपक्ष पर लगाया ये आरोप

बिहार (एजेंसी): लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार के विपक्षी दलों पर राज्य की कानून-व्यवस्था पर उनके पिछले बयानों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करके राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में दरार डालने की कोशिश करने का आरोप लगाया। जुलाई में, चिराग पासवान ने कहा था कि उन्हें बिहार में ऐसी सरकार का समर्थन करने पर दुख हो रहा है, जो कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर इस तरह विफल हो रही है। उनका यह बयान 24 जुलाई को बोधगया में बिहार सैन्य पुलिस की एक अभ्यर्थी के साथ हुए सामूहिक बलात्कार और हाल ही में बिहार में हिंसक अपराधों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर आया है। एएनआई से बात करते हुए, पासवान ने स्पष्ट किया कि

उनकी टिप्पणी एक जनप्रतिनिधि और सत्तारूढ़ गठबंधन में एक सहयोगी के रूप में उनकी हैसियत से की गई थी। चिराग पासवान ने एएनआई को बताया, मैं इस गठबंधन के जरिए लोगों की बातों को सरकार के सामने रखने की कोशिश करता हूँ। मैं सरकार का हिस्सा हूँ और मुझे अपनी बात रखने के लिए यह मंच मिला है... चूँकि मैं बिहार सरकार का हिस्सा नहीं हूँ, इसलिए मैं सरकार का समर्थन कर रहा हूँ, इसलिए जब भी मुझे बिहारियों की समस्याएँ बढ़ाने वाले मामले, जैसे कानून-व्यवस्था का मुद्दा, मिलते हैं, तो मैं इसे सरकार के सामने मजबूती से रखने की कोशिश करता हूँ ताकि कार्रवाई की जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष जानबूझकर जनता में भ्रम पैदा करने के लिए उनके बयानों की गलत व्याख्या कर रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष मेरे शब्दों को लेकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है, जिससे पता चलता है कि मैं अपनी गलतियाँ दोहरा रहा हूँ... बिहार में एनडीए गठबंधन एक विजयी गठबंधन है... हम 225 से ज्यादा सीटें जीतेंगे और सरकार बनाएंगे। हम साथ-साथ हैं। विपक्ष मेरे शब्दों को बढ़ा-चढ़ाकर हमारे बीच दरार दिखाने की पूरी कोशिश कर रहा है। मुझे नीतीश कुमार और उनके शासन पर भरोसा है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए, पासवान ने पार्टी के पारंपरिक मुस्लिम-यादव वोट बैंक की आलोचना की और कहा कि उनका विजन महिलाएं-युवा है।

जगदीप धनखड़ के बाद कौन बनेगा अगला उपराष्ट्रपति, शशि थरूर ने दे डाला बड़ा हिंट

नई दिल्ली (एजेंसी): जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद देश की राजनीति में नई हलचल शुरू हो गई है। ऐसे में सभी की निगाहें अब इस सवाल पर टिकी हैं झ आखिर भारत का अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा? एक ओर नामों की अटकलों का दौर जारी है, वहीं दूसरी ओर संसद में सत्ता संतुलन पहले से ही इशारा कर रहा है कि बाजी किसके हाथ लग सकती है। उपराष्ट्रपति पद की रेस में कौन-कौन? उपराष्ट्रपति पद के लिए कई बड़े नाम सामने आ चुके हैं। संभावित उम्मीदवारों में मनोज सिन्हा, आरिफ मोहम्मद खान, हरिवंश सिंह, रामनाथ ठाकुर, और वीके सक्सेना जैसे नेता शामिल हैं। वहीं कुछ रिपोर्टों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर का नाम भी चर्चा में आ चुका है। हालांकि थरूर ने खुद

को लेकर उठे कयासों पर न तो हामी भरी और न ही खंडन किया। शशि थरूर का दो टूक बयान जब कांग्रेस सांसद शशि थरूर से पूछा गया कि अगला उपराष्ट्रपति कौन हो सकता है, तो उन्होंने बेझिझक कहा, मुझे नाम नहीं पता, लेकिन इतना जरूर है कि अगला उपराष्ट्रपति वही बनेगा जिसे सत्ताधारी पार्टी यानी बीजेपी समर्थन देगी। थरूर ने इस बात पर भी जोर दिया कि उपराष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों के सदस्यों द्वारा किया जाता है, जहां बहुमत एनडीए के पास है। ऐसे में उनके अनुसार नतीजा लगभग तय है बीजेपी का उम्मीदवार ही उपराष्ट्रपति बनेगा। क्या विपक्ष को मिलेगा मौका? शशि थरूर ने यह भी उम्मीद जताई कि सरकार शायद विपक्ष से भी उम्मीदवार को लेकर संवाद करे, लेकिन उन्होंने संदेह भी जताया झ कौन जाने ऐसा हो भी या नहीं। इस बयान के बाद सियासी विश्लेषकों का मानना है कि यह चुनाव नाम मात्र की औपचारिकता बन सकता है, क्योंकि बीजेपी के पास लोकसभा और राज्यसभा दोनों में पर्याप्त समर्थन है। उपराष्ट्रपति चुनाव 2025: प्रक्रिया और समयसीमा भारत के नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया का शेड्यूल चुनाव आयोग ने घोषित कर दिया है: चुनाव अधिसूचना जारी होने की तिथि: 7 अगस्त 2025 नामांकन की आखिरी तारीख: 21 अगस्त 2025 मतदान और परिणाम: 9 सितंबर 2025 भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव एक विशेष इलेक्टोरल कॉलेज द्वारा किया जाता है, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा दोनों के निर्वाचित और मनोनीत सदस्य शामिल होते हैं। कुल मिलाकर 782 सदस्य वोटिंग करते हैं

मुझसे ट्यूशन ले लो, क्योंकि अभी 30-40 साल, राज्यसभा में विपक्षी सांसदों पर क्यों भड़के नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी): संसद में सी आई एस एफ की तैनाती पर विपक्ष के हंगामे के बाद बीजेपी नेता जेपी नड्डा ने सबकी जमकर क्लास लगाई है। जेपी नड्डा ने विपक्षी सांसदों पर तंज कसते हुए कहा कि आपको मुझसे ट्यूशन ले लेना चाहिए। राज्यसभा में विपक्ष पर पलटवार करते हुए बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, मैंने इन लोगों से कई बार कहा, मैं भी 40 साल तक विपक्ष में रहा हूं। इन्हें मुझसे ट्यूशन क्लास ले लेनी चाहिए। मैं इन्हें सिखा दूंगा कि विपक्ष को कैसे बर्ताव करना चाहिए। जेपी नड्डा ने क्या कहा? जेपी नड्डा ने कहा, अगर आप लाठी मारे और आपकी लाठी मेरी नाक पर लगे, तो जहां से मेरी नाक शुरू होती है, वहीं से आपका लोकतंत्र खत्म हो जाता है। यह महज सदन की कार्रवाई में बाधा नहीं डालते बल्कि अराजकता फैलाने की कोशिश करते हैं। सी आई एस एफ की तैनाती पर छिड़ा विवाद जेपी नड्डा

का यह बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान के बाद सामने आया है, जिसमें उन्होंने सदन में प्रदर्शन के अधिकार की मांग की थी। पिछले हफ्ते संसद में CISF की तैनाती को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार पर आरोप लगाया था कि सरकार विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है। हमें प्रदर्शन करने से रोकने के लिए संसद में CISF बुलाई गई हैं। सरकार ने दिया जवाब हालांकि, सरकार ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने इसपर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि सीआईएसएफ के जवान सिर्फ संसद की सुरक्षा के लिए तैनात किए गए हैं। खरगे सदन को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

सैन, नंदवंशी, नाई ,सविता, ठाकुर, नाभिक समाज को कांग्रेस पार्टी संगठन और टिकटों में देगी पूरी भागीदारी: राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी): नई दिल्ली में नेता विपक्ष श्री राहुल गांधी जी से सैंन समाज के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। यह ऐतिहासिक मुलाकात डॉ. अनिल जयहिंद राष्ट्रीय अध्यक्ष कांग्रेस ओबीसी डिपार्टमेंट के मार्गदर्शन और योगेन्द्र योगी पूर्व चेयरमैन हरियाणा केश कला एवं कौशल विकास बोर्ड के नेतृत्व में सम्पन्न हुई ।जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों हरियाणा से सौरव कुमार, राजेंद्र सैन रोहतक, राजस्थान से महेंद्र सैन, राजेंद्र सैन,उत्तर प्रदेश से भानु नन्द, दीपक ठाकुर नंदवंशी,दिल्ली से सुनील सैन, मध्य प्रदेश से विनोद सैन, पंजाब से रमणीक सैन मोहाली, प्रताप सिंह फिरोजपुरिया , उत्तराखंड से दीपक सैन हरिद्वार, छत्तीसगढ़ से त्रिलोक सैन महाराष्ट्र से सारंग जगताप, बिहार से डॉ कुणाल ठाकुर, डॉक्टर धर्मराज पटना, झारखंड से डॉक्टर सी के ठाकुर हिमाचल प्रदेश से दीपक सैन सहित अनेक प्रदेशों से आए समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। उक्त जानकारी प्रेस को देते हुए योगेंद्र योगी ने बताया कि सैंन समाज एक ऐसा वर्ग है जो पीढ़ियों से मेहनत, ईमानदारी

और देशभक्ति का प्रतीक रहा है ।लेकिन जब बात होती है राजनीतिक और संगठनात्मक भागीदारी की, तो हमें बार-बार नजरअंदाज किया गया है। सैंन समाज इस देश का भरोसेमंद, मेहनतकश और हुनरमंद समाज है। इस समाज ने सदियों तक बिना किसी अपेक्षा के देश और समाज के लिए काम किया है। ये वर्ग न केवल कर्तव्यनिष्ठ है, बल्कि अपने भीतर जबरदस्त संगठन शक्ति और सेवा भावना रखता है। योगी ने बताया कि न्याय योद्धा संविधान रक्षक नेता विपक्ष राहुल गांधी सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष कर रहे हैं वो कई बार मंचों से भी ओबीसी की राजनैतिक भागीदारी पर खुलकर बोले हैं उन्होंने इस बात को भी स्वीकार किया है कि जो पिछड़ा वर्ग के लिए करना चाहिए था वो नहीं कर पाए इसलिए अब दुगनी रफ्तार से इस वर्ग के लिए काम करूंगा। योगी ने बताया कि राहुल गांधी पिछड़ा वर्ग की विभिन्न जातियों से उनके इतिहास, उनके पुश्तैनी काम, उनकी सामाजिक आर्थिक शैक्षणिक जानकारी जुटा रहे हैं इस से पहले उन्होंने विश्वकर्मा समाज, आदिवासियों से मुलाकात कर संवाद किया था। योगी ने बताया कि राहुल गांधी जी ने लगभग एक घंटा पच्चीस मिनट समाज के लोगों से चर्चा की वर्तमान में राजनैतिक भागीदारी कैसी है जो लोग गांव, ढाणी में कार्य कर रहे हैं उनको किस तरह की कठिनाइयां आती हैं और भविष्य के लिए क्या योजनाएं बन सकती हैं जिस से समाज का उत्थान हो सके। योगी ने कहा अब वक्त है कि ऐसे समाज को केवल तारीफों में नहीं, बल्कि व्यवस्था में हिस्सेदारी देकर न्याय किया जाए। योगी ने बताया कि राहुल गांधी ने विश्वास दिलाया कि कांग्रेस पार्टी ऐसे मेहनतकश समाज के साथ है शिक्षा, रोजगार और प्रतिनिधित्व तीनों स्तरों पर कांग्रेस पार्टी सैन समाज को उनका अधिकार दिलाने के लिए काम करेगी। योगी ने कहा कि यह बैठक न केवल राजनीतिक संवाद की शुरूआत थी

भारत पर भारी टैरिफ ठोकने चले थे ट्रंप, अब पुतिन के एक्शन से हिल जाएगी पूरे अमेरिका की जमीन

नई दिल्ली (एजेंसी): एक बार फिर से डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत को भारी भरकम टैरिफ ठोकने की धमकी दी गई है। इस बार कह दिया गया कि रूस से तेल व्यापार भारत ने बंद नहीं किया तो डोनाल्ड ट्रंप बड़ा कदम उठाएंगे। न सिर्फ भारी भरकम टैरिफ भारत पर ठोका जाएगा बल्कि कई प्रतिबंध लगाने के बारे में भी विचार किया जाएगा। इस धमकी का भारत की तरफ से भी मुंहतोड़ जवाब दिया गया और कहा गया कि भारत भी अब कड़े कदम उठा सकता है। वो इन धमकियों से डरने वाला नहीं है। भारत सरकार ने जवाब तो दिया लेकिन इसी बीच भारत का पक्का दोस्त ढाल बनकर उतर आया है। रूस की तरफ से एक ट्रंप की जमीन हिलाने वाला कदम उठा दिया गया है। रूस की तरफ से ऐसी मिसाइल जिस पर प्रतिबंध लगा हुआ था, उसे हटाया गया। ये सीधे सीधे यूरोप की धड़कने बढ़ा रहा है। ये डोनाल्ड ट्रंप से सीधे सीधे युद्ध की चेतावनी की ओर इशारा कर रहा है। कयास ये लगाए जाने लगे हैं कि क्या रूस और अमेरिका के बीच सीधी जंग शुरू हो जाएगी? भारत और चीन पर टैरिफ बम फोड़ने और रूस से दोस्ती तोड़ने के अमेरिका के दवाब के बाद रूस ने बड़ा ऐलान किया। रूस ने इंटरमीडिएट और शॉर्टर-रेंज मिसाइलों की तैनाती पर लगाई गई रोक को हटाने का ऐलान कर दिया है। यह

फैसला अमेरिका द्वारा अपने दो न्यूक्लियर सबमरीन्स को रूसी तटों के पास तैनात करने के आदेश के बाद लिया गया। दरअसल, अमेरिका ने रूस के पास अपने परमाणु पनडुब्बियों को तैनात कर दिया था। अमेरिका और रूस के फैसले से दोनों देशों में तनाव और बढ़ गया है। ऐसे में अब रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा अब रूस खुद पर लगाई गई उन मोराटोरियम से बंधा नहीं महसूस करता जो इंटरमीडिएट और शॉर्टर-रेंज मिसाइलों की तैनाती को लेकर थीं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब रूस ने पहले ही संकेत दे दिए थे कि वह इस मोराटोरियम को खत्म कर सकता है। अब इस बड़े फैसले से अमेरिका में हड़कंप मच गया है। पुतिन ने संकेत दिया था कि 2025 की दूसरी छमाही में रूस अपनी ओरशनिक इंटरमीडिएट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल बेलारूस में तैनात कर सकता। ये सीधा सीधा यूरोप के लिए खतरे की घंटी है। रूस के फैसले से उसे खासतौर से लैंड-बेस्ड शॉर्ट रेंज मिसाइलें तैनात करने की छूट मिल गई है, जो यूरोप और एशिया को निशाना बना सकती है। आपको बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह भारत की ओर से अमेरिका को दिए जाने वाले टैरिफ में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगे। उन्होंने भारत द्वारा रूसी तेल की निरंतर खरीद और वैश्विक बाजार में लाभ पर इसे कथित रूप से फिर से बेचने का हवाला दिया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ट्रंप ने भारत पर यूक्रेन में चल रहे युद्ध की अनदेखी करते हुए रूसी कच्चे तेल की कीमतों में भारी छूट से बड़ा मुनाफा कमाने का आरोप लगाया। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा भारत की आलोचना पर कड़ा जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद रूस से तेल आयात करने के कारण अमेरिका और यूरोपीय संघ ने भारत को निशाना बनाया है। यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद पारंपरिक आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई जिस कारण भारत ने रूस से तेल आयात करना शुरू किया।

रूस की तरफ से एक ट्रंप की जमीन हिलाने वाला कदम उठा दिया गया है। रूस की तरफ से ऐसी मिसाइल जिस पर प्रतिबंध लगा हुआ था, उसे हटाया गया। ये सीधे सीधे यूरोप की धड़कने बढ़ा रहा है। ये डोनाल्ड ट्रंप से सीधे सीधे युद्ध की चेतावनी की ओर इशारा कर रहा है।

संपादकीय

अशोभनीय हरकत

हवाई यात्रा करने वालों को कैसे समझाया जाए कि धरती से ऊपर हवा में सफर करने में सक्षम होना उन्हें दूसरे ग्रह का प्राणी नहीं बना देता। वे भी आम लोगों जैसे ही होते हैं। उन्हें भी दूसरे यात्रियों जितने ही विशेषाधिकार होते हैं। इसमें कोई बात मनमुताबिक न होने पर किसी से दुर्व्यवहार करने का अधिकार तो कतई नहीं होता। चाहे मामला सहयात्रियो से संबंधित हो या हवाई अड्ड़ा कर्मचारियों से, दुर्व्यवहार बिलकुल मान्य नहीं है। श्रीनगर हवाई अड्डे पर 26 जुलाई को जो हुआ वह निंदनीय तो है ही आपराधिक गतिविधि भी है। मामूली सी बात पर एक यात्री ने चार कर्मचारियों पर बर्बर हमला किया। वाकया स्पाइसजेट से जुड़ा है जिसकी जानकारी रविवार को सामने आई। श्रीनगर से दिल्ली आ रही उड़ान में सवार होने वाले एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने श्रीनगर हवाई अड्डे. पर एयरलाइन के जमीनी रखरखाव करने वाले चार कर्मचारियों के साथ बुरी तरह मारपीट की इन कर्मचारियों में से एक की तो रीढ. की हड्ड़ी ही टूट गई। एयरलाइन ने पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई है। नागर विमानन नियमों के अनुसार यात्री को 'नो-फ्लाई' सूची में ड़ालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बात मामूली सी थी, यात्री काफी सामान लेकर जा रहा था जो निर्धारित मानक भार से काफी अधिक था। उससे अतिरिक्त सामान के लिए भुगतान करने को कहा गया। यहीं बात बिगड़. गई। सोशल मीड़िया पर साझा किए गए घटना के वीड़ियो में यात्री को कर्मचारियों पर हमला करते और उनमें से एक पर हवाई अड्डे.पर रखे जाने वाले स्टैंड़ से हमला करते हुए देखा गया। घायल कर्मचारियों को अस्पताल ले जाना पड़ा। स्पाइसजेट के अनुसार 26 जुलाई, 2025 को श्रीनगर से दिल्ली आ रही उड़ान संख्या एसजी-386 के वोर्डिंग गेट पर एक यात्री ने स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों पर गंभीर हमला किया। दरअसल, यह यात्री एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी था। इससे तो बात और गंभीर हो जाती है। क्या सैन्य अधिकारी नियम कानूनों से परे होते हैं। शायद इस यात्री का विचार रहा होगा कि कर्मचारी उसके पद के दबाव में आ जाएंगे। जब ऐसा नहीं हुआ तो उसका गुस्सा भड़क उठा । हालांकि अभी तक इस यात्री का पक्ष सामने नहीं आया है, लेकिन हिंसा तो किसी बात का समाधान नहीं है। और अधिकारी होने के नाते भी उसका गुस्सा जायज नहीं कहा जा सकता। कल्पना ही की जा सकती है कि वह अपने अधीनस्थों से कैसा व्यवहार करता होगा।

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भारतीय सेना ही देश के असली नायक

संजय गोस्वामी

ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान को सबक भारतीय सेनाओं ने अपनी जान की परवाह किए बिना देश को सुरक्षित किया इसकी प्रशंसा करनी चाहिए इसे राजनीति के दृश्टिकोण के नजरिया से नहीं बल्कि देश हित मे देखना चाहिए क्योंकि उनकी हमेशा मानसिकता देश को बचाने की होती है और सेना का मनोबल हर उस देश का राष्ट्रपति सेना को उनकी बहादुरी पर सम्मान करता है इसे आप कितनी बार यूक्रेन के राष्ट्पति जेलेस्की ने रूस से लड़ने वाले सेनाओं का सम्मान किया है ऐ अलग बात है भारत को इससे लेना देना नहीं है लेकिन यहाँ के यूटूबर्स और कुछ मीडिया चैनलों पर देश में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सियासत करते नजर आते हैं लेकिन सेना के पराक्रम को नजरअंदाज कर देते हैं इसका फायदा शत्रु देश उठाते हैं और भारत माता के प्रति अपनी नकारात्मक छवि को दशार्ते हैं यू टुब बना कर मीडिया में दिखाना बहुत आसान है हम भी बना लेंगे और डाउनलोड कर देंगे लेकिन इसपर सेना के प्रवक्ता ने जब सब कुछ खुल कर बता दिए हैं कि हम तीन मोर्चो पर पाकिस्तान से लड़ रहें थे और नुकसान भी हुआ लेकिन जो टारगेट था उसे प्राप्त किया है तो ऐसे में खुद यू टुब बनाकर डालना बचकाना हरकत होगा और लोगों में गलत धारना पैदा होगा सेना का मनोबल गिरेगा

याद होगा कारगिल का युद्ध जिसमें पाकिस्तान द्वारा धोखे से कारगिल की ऊंची चोटियों पर कब्जा करने के बाद, भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय के तहत अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प के साथ जवाबी कार्रवाई की। कैप्टन विक्रम बत्रा, कैप्टन मनोज कुमार पांडे, ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव जैसे वीरों ने सर्वोच्च बलिदान देकर इन चोटियों को वापस हासिल किया। इस युद्ध में भारतीय सेना ने पहाड़ी युद्ध में अपनी अद्वितीय क्षमता साबित की।

इन युद्धों में भारतीय सेना ने न केवल देश की सीमाओं की रक्षा की, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पेशेवर दक्षता और नैतिक मूल्यों का भी प्रदर्शन किया।अतः भारतीय सेनाओ के पराक्रम के बारे में नकारात्मक वीडियो बनाकर यू टुब पर दिखाना उचित नहीं इसमें प्रधानमंत्री को भी लपेटे में लेते हैं जो लोकतान्त्रिक तरीके से चुनकर आते हैं जब चुनाव आएगा तब आप अपने अधिकार का प्रयोग कर मनमुताबिक सरकार को चुन लेना लेकिन याद कीजियेगा वो दिन भी जब आतंकवादी की जड़ केवल जम्मू काश्मीर तक नहीं था बल्कि मुंबई, दिल्ली और गुजरात भी भुगता है असल में 26/11/2008 में आतंकी हमले में मारे गए लोगों से पूछिए की इससे उनको खुशी मिली या नहीं मिली उस समय पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन तो टीवी में साफ बोलरहें थे कि हैदराबाद को पाकिस्तान बनाने की बात जब सबको बंधक बनाए और बहुत ही बेहरहमी से कत्ल कर दिए गए किसी के पेट फाड दिया किसी का गर्दन काटा गया अतः आप खुद पहले अपने आप को देखिए कि आपने उस समय पाकिस्तान पर अटैक क्यों नहीं किया और जब आतंकवादी कसाब ने पाकिस्तान नाम खुलेआम लिया तो क्या आप सो रहें थे सेना उस समय बहुत गुस्से में थे और आर पार के मूड में थे लेकिन कोई भी आतंकी संगठन को एक खारोंज तक नहीं आने देना ऐ कितनी शर्म की बात है सेना के लिए ना तो दिन होता है ना रात लड़ाई में गोली लगने के बाद भी लड़ते हैं और अंतिम सांस तक भारत माता के लिए शहीद होते हैं क्या उनके पराक्रम को नजरअंदाज करना देशहित में है और यूटुबर एक्सपीरियंस मेहमानों को भी बुलाते हैं वे वहीं हैं जो किसी कारण सत्ता में जगह नहीं मिलने पर मोदीजी के खिलाफ नेरेटिव फैलाते है आप जब यूपीए शासन में थे तो हिम्मत तो दिखाना चाहिए और जहाँ आक्रमण करना चाहिए वहाँ केवल कागजी कार्यवाही यानि डोसियर देने से आतंकवादी जश्न मना रहें थे क्या 140 करोड़ भारतीय का अपमान नहीं है हमें कोई भी मार कर चला जाए यानि हमारी जान की कीमत नहीं है ऑपरेशन सिंदूर से आतंकवादी संगठन में खौफ पैदा हुआ है अतः दूसरे पर दोष देना या कागजी शेर बने रहने से सच्चा देशभक्त आपको कभी सपोर्ट नहीं करेगा क्योंकि सेनाओं पर सवाल उठाना गलत है जैसे पहले भी दो बार सर्जिकल स्ताईक में हुआ है मै सेना के चयन को देखा हैं मेरा सलेक्शन एसएसबी में भोपाल में हो जाता यदि हम दया का भाव नहीं दिखाते वो भी साइकोलोजिसरट को किसी लेख में कुछ पढ़ने के बाद सवाल किया और बाद में मै भी उनके निर्णय को सम्मान करते हुए वहाँ नहीं जाने का निर्णय लिया क्योंकि वहाँ आपको दुश्मन के साथ दया दिखाने से काम नहीं चलता बन्दुक चलाने का हौसला चाहिए अतःसेना का सम्मान करें जब कारगिल युद्ध हुआ तो ऊँची ऊँची पहाड़ी पर युद्ध लड़ा गया और भारतीय सेनाओ ने अपना दम दिखाया उस समय जो शहीद हुए वहाँ उनके गाँव में स्टैचू आज भी बना दीखता है और सड़क गली का नाम भी उनके सम्मान में रखा गया उस समय मात्र 21वर्ष का एक सेनानी मिला जो रेड लाइट एरिया में गया पूछा तो बताया सेक्स भी तो ईश्वर की देन है जाने से पहले इसे भी आजमा ले बाद में वो शहीद हो गया इसी तरह ट्रेन में दो सेना के लोग मिले एक बेचारा अपने परिवार को कोष रहा था और बाद में मेरी सीट में लेट गया और मै जमीन पर ही सो गया क्योंकि वो मातृभूमि की रक्षा के लिए जा रहें थे दूसरे ने जो ऊपर झोला लटका था उसमें शुद्ध घी के लड्डू बड़े शौक से रखा

था देखा तो सुबह आधा गायब था तो सेनानी ने कहा की सर मुझे बहुत भूख लगी थी फिर वहाँ ड्यूटी करना है मैंने पूरा डब्बा ही दे दिया की रास्ते में भूख लगे तो खा लेना सेना की जिंदगी को आपने कभी करीब से नहीं देखा शराब पीना उनकी मजबूरी होती है घर परिवार से दूर देश की रक्षा के लिए अपने सारे अरमान को दबा कर दुश्मन का डटकर मुकाबला करते हैं उन्हें आप ठीक से पहचानेगें तो मालूम होगा सेना किसी से डरता नहीं है ना तो अपना कोई शौक पूरा कर पाता है ना ही घर परिवार के साथ हमेशा रह पाता है अतः सेना का सम्मान कीजिये और देश प्रेम की भावना से मीडिया में देखाना चाहिए इसमें भी राजनीती करेंगे तो उनका अपमान होता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दिल्लीः जाम का झाम और विकास पर ब्रेक

राजेश कुमार सिंह

कुछ दिन पहले का है। दिल्ली की मुख्यमंत्री अपने घर से दफ्तर जाने के क्रम में सुबह-सुबह जाम का शिकार हो गई, तब उन्हें अहसास हुआ कि विकास को लेकर दिल्ली की इमेज को सबसे ज्यादा नुकसान जाम के कारण हो रहा है। ठीक इन्हीं दिनों एक महज संयोग है कि केंद्र सरकार ने भी दिल्ली की सीमा पर लगने वाले ट्रैफिक जाम के लिए एमसीडी टोल प्लाजा को जिम्मेदार ठहराते हुए, इन्हें हटाने को कहा। केंद्र ने सुझाव दिया है कि इन टोल से एमसीडी को होने वाले राजस्व की भरपाई दिल्ली सरकार अपने दूसरे संसाधनों से करे। मसलन यूपी से रोजाना दिल्ली आने वाले हजारों लोगों को लगा कि जल्द ही जाम से छुटकारा मिलने वाला है। क्योंकि एन एच-9 समेत कई एमसीडी टोल बूथ को हटाने की तैयारी चल रही है। इसके हटने के बाद यहां ट्रैफिक जाम से निजात मिल सकती है।

बड़े शहरों में सड़क जाम कोई हालिया समस्या नहीं है। अब दिल्ली की सीमाओं पर लगी लंबी कतारों के लिए दिल्ली सरकार और एमसीडी जैसी एजेंसियों ने व्यावसायिक वाहनों से प्रवेश शुल्क वसूलने के लिए लगे बूथ हटाने पर अपनी सहमति जताई है। अब मल्टी-लेन फ्री फ्लो सिस्टम लागू किया जाएगा। वाहन बिना रुके गुजर सकेंगे। फास्टैग के जरिए शुल्क काटा जाएगा। अगर राजधानी की सीमाओं पर लंबी कतारें खत्म न भी हों, तो कम जरूर हो सकती हैं, लेकिन दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और सड़क परिवहन मंत्रालय जैसी एजेंसियों ने सर्वसम्मति से व्यावसायिक वाहनों से प्रवेश शुल्क और ग्रीन सेस वसूलने के लिए राजमार्गों पर लगे बूथ हटाने पर सहमति जताई। जाम से रोजाना हजारों लोग समस्या से गुजरते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर शुल्क प्लाजा पर उपयोगकर्ता शुल्क एनएच शुल्क नियम, 2008 के अनुसार एकत्र किए जाते हैं। हलांकि सरकार ने पब्लिक के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों के उन खंडों के लिए टोल दरों में 50प्र. तक की कमी कर दी है, जिनमें सुरंगों, पुलों, फ्लाईओवरों या ऊंचे खंडों जैसी संरचनाएं हैं। ताकि इस कदम से मोटर चालकों के लिए यात्रा लागत कम हो। दिलचस्प है कि ये जाम का असर राष्ट्रव्यापी है। आमतौर पर हरेक बोलचाल में इसे सुना जा सकता है। आंकड़े पर नजर डालें तो नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के टोल इन्फार्मेशन सिस्टम के रिकॉर्ड के मुताबिक कश्मीर से कन्याकुमारी तक देश में कुल 1057 एन एच आई टोल हैं। इसमें करीब 78 टोल तो आंध्र प्रदेश में ही हैं। बिहार में नेशनल हाईवे के 33 टोल हैं जबकि यूपी में 123 टोल प्लाजा हैं। वर्तमान में देश में 11 नेशनल एक्सप्रेस वे हैं। इनमें से 8 पूरी तरह से संचालित हैं जबकि बाकी 3 अभी निमार्णाधीन हैं। इन सभी एक्सप्रेस वे पर भी आपको अलग से टोल देने की जरूरत नहीं है। इन एक्सप्रेस वे में अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे, दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस वे, अवध एक्सप्रेस वेङ्क बंगलुरु-चेन्नई एक्सप्रेसवे शामिल है। दिल्ली में मिलने वाली राहत पर देश की नजर है। जाहिर सी बात है कि इस मामले में दिल्ली नजीर बन सकती है। हलांकि दिल्ली की सीमाओं पर प्रवेश करने वाले भारी व्यावसायिक वाहनों से वसूले जाने वाले पर्यावरण क्षतिपूर्ति उपकर (ईसीसी) या हरित उपकर के संग्रह का समाधान खोजने के लिए सभी एजेंसियों के बीच एकमतता बनाने में काफी समय लगा। जिसके कारण दिल्ली को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर लंबा ट्रैफिक जाम लगता रहा। एमसीडी वर्तमान में दिल्ली सरकार द्वारा 2007 में अधिसूचित टोल शुल्क ले रही है। अधिकारी ने कहा, 'टैक्सियों के लिए, शुल्क 100 रुपये प्रति ट्रिप (एमसीडी टैग के बिना) या 3,000 रुपये प्रति माह (एमसीडी टैग के साथ) है, और वाणिज्यिक ट्रकों के लिए शुल्क अधिक है।

'शुरू आत में 124 टोल नाके थे, लेकिन बाद में 30 और जुड़ गए, जिससे कुल संख्या 156 हो गई। कुल प्रवेश द्वारों में से 13 पर आरएफआईडी लगा है और 111 स्थानों पर टोल वसूली के लिए हैंडहेल्ड उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता है। राष्ट्रीय राजधानी में प्रतिदिन औसतन 1,05,989 व्यावसायिक वाहन प्रवेश करते हैं। इनमें से लगभग 70,000 वाहन टैक्सी या कैब हैं। मल्टी लेन फ्री फ्लो (एमएमएलएफ) टोल और प्रवेश शुल्क संग्रह प्रणाली लागू करने का निर्णय से या एमसीडी प्रवेश कर को

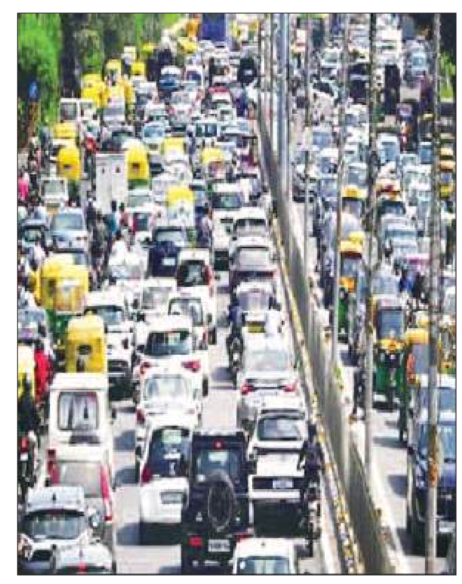

पूरी तरह समाप्त करने से सालाना लगभग 800 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान होने की उम्मीद है और इससे वित्तीय स्थिति पर गंभीर असर पड़ेगा, जबकि दिल्ली नगर निगम (नागरिक निकाय का लक्ष्य अब सालाना 950-1,000 करोड़ रुपये एकत्र करना है। सड़क परिवहन मंत्रालय ने हाल ही में एक संसदीय पैनल को आश्वासन दिया कि सरकार सीमा पर भीड़भाड़ को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रस्तावित बदलावों के लिए सर्वोच्च न्यायालय की मंजूरी लेगी। मतलब अगर आप ये सोच रहे हैं कि नया पास बनवाना घाटे का सौदा हो सकता है तो शायद यह गलत ही होगा।

टैरिफ दादागिरी के बीच 'स्वदेशी' एक जनक्रांति बने

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दबाव की राजनीति' और 'टैरिफ की दादागिरी' का माकूल जबाव है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को 'लोकल के लिए वोकल' बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है। यह वही आत्मनिर्भरता है, जिसका बीजारोपण महात्मा गांधी ने चरखे और खादी के माध्यम से किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वदेशी जागरण के माध्यम से कर रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत अर्थव्यवस्था' तक कह दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता पर एक असभ्य एवं अक्षम्य आक्षेप भी है। इससे भी अधिक विडंबनापूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने इस अपमानजनक बयान को घरेलू राजनीति की 'ऑक्सीजन' मानकर इसे आंतरिक राजनीति का हथियार बनाकर न केवल प्रचारित किया, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से उसका समर्थन भी किया। अक्सर विपक्षी दल देशविरोधी नैरेटिव को बढ़ावा देने में जुट जाते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का अंग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता पर आघात के समय एकजुटता ही राष्ट्रवाद की पहचान होती है। यह वही देशविरोधी मानसिकता है जो विदेशी मंचों पर देश की छवि को चोट पहुंचाती है और राजनीतिक स्वार्थों एवं मतभेदों को राष्ट्रीय स्वाभिमान से ऊपर रखती है।

भारत की अर्थव्यवस्था को जिस तरह ट्रंप ने 'मृतप्राय' कहा, वह न केवल मौजूदा आर्थिक तथ्यों की अवहेलना है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दबाने का एक रणनीतिक षडयंत्र भी है। आईएमएफ, विश्व बैंक और ओईसीडी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भी लगातार यह संकेत देती रही हैं कि भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों के चलते भारत की अर्थव्यवस्था ने कोरोना महामारी के बाद जिस गति से पुनरुत्थान किया है, वह अनेक विकसित देशों के लिए भी उदाहरण है। सच्चाई यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था न तो मृत है, न ही दिशाहीन। हां, चुनौतियां हैं, बेरोजगारी, महंगाई, आय असमानता, लेकिन इनसे जूझते हुए भारत आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है। वैश्विक मंचों पर भारत की वाणी अब कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण है। ऐसे समय में जब अमेरिका जैसे देश एकतरफा फैसलों से वैश्विक व्यापार संतुलन को तोड़ने पर आमादा हैं, तब भारत को अपनी आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के मंत्र को एक संकल्प बनाकर व्यवहार में लाना होगा। अमेरिका हो या चीन, आर्थिक नीतियों में नैतिकता नहीं, स्वार्थ ही केंद्र में रहता है। इसीलिए भारत को अब यह समझना होगा कि केवल आयात पर निर्भर रहकर हम अपनी आर्थिक सुरक्षा नहीं कर सकते। जब तक हम उत्पादन, निर्माण और उपभोग के क्षेत्र में स्वदेशी विकल्प नहीं अपनाते, तब तक हम इस टैरिफ आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता के शिकार बने रहेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र 'स्वदेशी' है। यह विचार केवल देसी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दूध उत्पादन में श्वेत क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हों या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन बनाना, भारत ने दिखाया है कि वह किसी से कम नहीं। स्वदेशी का मंत्र सिर्फ 'यहां बनाएं' तक सीमित नहीं है, यह 'यहां के लोगों द्वारा, यहां की सोच के साथ' बनाया गया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी का 'मेक इन इंडिया' अभियान अब 'मेड बाय इंडिया' की दिशा में अग्रसर हो रहा है। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना बनानी होगी जिसमें विदेशी पूंजी या तकनीक की बजाय स्वदेशी नवाचार, स्वदेशी उद्योग, और स्वदेशी उद्यमिता को बल मिले। इस संदर्भ में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि जो नीतियां बनें, वे स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाली हों, न कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लॉबी के दबाव में चलने वाली। आज का समय वैसा ही है जैसा 1905 में बंग-भंग आंदोलन के समय था, जब बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और अरविंद घोष जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। आज फिर एक नई क्रांति की जरूरत है, लेकिन यह क्रांति फैक्ट्रियों में, बाजारों में, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लड़ी जाएगी। हमारे युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और तकनीकी प्रयोगों में विदेशी नकल न करें, बल्कि भारतीय जरूरतों और मूल्यों के अनुरूप नए समाधान विकसित करें। यही आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। हर भारतीय को यह समझना होगा कि जब वह विदेशी मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, या चीनी उत्पाद खरीदता है, तो वह सिर्फ एक उत्पाद नहीं ले रहा, बल्कि वह अपने देश के एक कारीगर, किसान या उद्यमी से रोजी-रोटी छीन रहा है।

अब समय है कि उपभोक्ता भी जिम्मेदार बने। स्वदेशी उपभोग सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति का आधुनिक रूप है। आज जब वैश्विक पूंजीवाद लड़खड़ा रहा है और पश्चिमी देशों की नीतियों में आत्मकेंद्रितता हावी हो रही है, भारत को अपनी सांस्कृतिक, आर्थिक और बौद्धिक जड़ों की ओर लौटना ही होगा। यही समय है जब 'स्वदेशी' एक आंदोलन बने, एक जनक्रांति बने और एक ऐसी नई अर्थव्यवस्था की नींव डाले जो टिकाऊ, समावेशी और पूर्णतः आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री मोदी ने जो स्वदेशी का दीप जलाया है, वह केवल सरकार का काम नहीं, यह हम सभी का नैतिक, राष्ट्रीय और आत्मिक दायित्व है। तभी हम न केवल ट्रंप जैसी टैरिफ दादागिरी का जवाब दे पाएंगे, बल्कि एक सशक्त, सम्मानित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे, अपने स्वेद, अपने स्वप्न और अपने स्वदेश के बल पर। वर्तमान परिप्रेक्ष्यों में यह आवश्यक हो गया है कि देश की आलोचना के नाम पर विदेशी अपमान का समर्थन करने की प्रवृत्ति का जनतांत्रिक रूप से विरोध हो। लोकतंत्र की सच्ची परिपक्वता यही है कि सरकार की आलोचना करते हुए भी हम राष्ट्र की प्रतिष्ठा और आत्मगौरव की रक्षा करें। जब तक भारत के भीतर से ही भारत की आवाज कमजोर की जाएगी, तब तक ट्रंप जैसे बाहरी 'टैरिफ तानाशाहों' को हमारे आत्मबल पर वार करने का साहस मिलता रहेगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है। जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ की गोष्ठी

गोष्ठी में जन शिकायत व आइजीआरएस पोर्टल पर कार्य कर रहे समस्त थाना/पेशी पर नियुक्त अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण करने हेतु संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के द्वारा जनशिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु पुलिस कार्यालय सभागार में जनपद के समस्त थाना/पेशी पर नियुक्त आइजीआरएस पोर्टल पर कार्य करने वाले समस्त पुलिसकर्मियों के साथ गोष्ठी की गई । गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के समस्त आईजीआरएस शिकायतों का सर्किल/थाना विवरण प्राप्त कर उनकी समीक्षा की गई । आइजीआरएस पोर्टल पर कार्य करने वाले समस्त पुलिसकर्मियों द्वारा निस्तारित की गई शिकायतों की गुणवत्ता को परखा तथा समस्त आईजीआरएस प्रा०पत्रों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण कराने संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान आइजीआरएस पोर्टल एवं विभिन्न पोर्टल के माध्यम से प्राप्त प्रार्थना पत्र को गुणवत्तापूर्वक निस्तारण करने हेतु सभी को निर्देशित किया गया व आइजीआरएस पोर्टल के नए अपडेट, विधिपूर्वक अपलोड करने के तरीके, लंबित प्रार्थना पत्र के समयबद्ध निस्तारण आदि के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई व निर्देशित किया गया कि आइजीआरएस पोर्टल के माध्यम से प्राप्त प्रार्थना पत्र पर कार्यवाही में देरी न हो तथा सभी प्रार्थना पत्र का निस्तारण समय से एवं गुणवत्तापूर्वक करें जिससे जनपद की रैंकिंग अच्छी बनी रहे । समस्त पुलिसकर्मियों से पोर्टल पर आने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी की गयी तथा समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया सहित अन्य अधि0/कर्म0 उपस्थित रहे ।

ढवारसी में रामडोल शोभायात्रा से पहले सड़कों की मरम्मत होगी

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- जन्माष्टमी के अवसर पर 16 अगस्त को ढवारसी में भव्य रामडोल शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिन रास्तों से होकर यह यात्रा गुजरेगी वो रास्ते पिछले दो साल से खस्ताहाल हैं। जल जीवन मिशन के तहत पाइप लाइन बिछाने के लिए इन सड़कों को खोदा गया था, लेकिन उसके बाद इनकी मरम्मत नहीं कराई गई। शोभायात्रा कमेटी ने इन टूटी सड़कों को लेकर चिंता जताई थी। बुधवार को कमेटी के सदस्यों ने उप जिलाधिकारी पुष्कर नाथ चौधरी को एक प्रार्थना पत्र देकर इन रास्तों को ठीक कराने की मांग की थी।

मंगलवार को जल निगम के गौरव सिंह अपनी टीम के साथ ढवारसी पहुंचे और उन्होंने उन रास्तों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि जन्माष्टमी से पहले सभी रास्तों की मरम्मत का काम पूरा कर लिया जाएगा ताकि शोभायात्रा बिना किसी बाधा के निकल सके। जल निगम के इस आश्वासन से शोभायात्रा कमेटी के सदस्यों ने राहत की सांस ली है।

दबंगों ने महिला के घर में घुसकर किया जानलेवा हमला, परिवार के चार लोग घायल

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना) शौसिहं सैनी:- जनपद के थाना चांदपुर क्षेत्र के ग्राम खानपुर से है, जहां गांव के कुछ दबंगों ने एक महिला के घर में घुसकर उस पर और उसके परिजनों पर बेरहमी से हमला कर दिया। इस हमले में महिला समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं पीड़िता सुमन पत्नी विनीत ने थाने में दी तहरीर में बताया कि रविवार 4 अगस्त की शाम लगभग 7 बजे वह अपने घर पर बैठी हुई थी। तभी गांव के ही फूल सिंह, विराजन काकू चन्द्रपाल सिंह, पूरन, सवित (पुत्र नामालूम) और आरव (पुत्र नामालूम) अचानक उसके घर में घुस आए।

आरोप है कि इन लोगों ने उसके पति विनीत को गालियां देनी शुरू कर दीं और जब इसका विरोध किया गया तो मामला हिंसक झगड़े में तब्दील हो गया हमलावरों ने सुमन को जमीन पर गिराकर बुरी तरह लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। पीड़िता का कहना है कि काकू नामक व्यक्ति ने उसके सिर पर डंडे से हमला किया, जिससे वह लहूलुहान होकर मौके पर ही बेहोश हो गई। शोरगुल सुनकर उसका बेटा शिवम और भतीजा आरव मौके पर पहुंचे तो हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल अवस्था में सुमन, उसके पति विनीत, बेटा शिवम और भतीजा आरव को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुमन को सिर में गंभीर चोट आई है, जबकि अन्य को भी काफी चोटें आई हैं पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ थाना चांदपुर में शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और हमलावरों की तलाश जारी है।

नूरपुर मंडी की दुर्दशा: पानी में डूबी फल-सब्जी मंडी, सड़क बनी बाजार, हादसे को दे रही दावत

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना) शौसिहं सैनी:- जनपद के नूरपुर की प्रमुख फल एवं सब्जी मंडी इन दिनों बदहाली का जीता-जागता उदाहरण बन गई है। भारी बारिश के चलते मंडी परिसर पूरी तरह जलमग्न हो गया है। दुकानों के अंदर दो से तीन फीट तक पानी भर गया है, जिससे थोक विक्रेता मजबूरी में रोड पर दुकानें लगाकर व्यापार करने को मजबूर हैं। मंडी समिति कार्यालय तक पानी से भरा है, और इसकी दीवारें गिर चुकी हैं। मंडी परिसर के भीतर गंदा पानी भर जाने से थोक फल और सब्जी विक्रेता अपनी दुकानें मुख्य सड़क पर लगाने को मजबूर हो गए हैं। यह स्थिति न केवल व्यापार में बाधा बन रही है, बल्कि रोज सड़क पर बढ़ती भीड़

किसी बड़े हादसे की आशंका भी जता रही है। ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को भी अब जलभराव के बीच से निकालना पड़ रहा है, जिससे आम जनता व व्यापारियों दोनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।व्यापारियों का कहना है कि लगातार पानी भरे रहने से उनके फल-सब्जियां सड़ने लगी हैं, जिससे हजारों का नुकसान हो रहा है। फुटकर विक्रेता गांवों से मंडी तक आकर सड़क किनारे से ही माल खरीदने को मजबूर हैं। मंडी समिति की चारदीवारी जगह-जगह से टूट चुकी है। परिसर में लगे वर्षों पुराने यूकेलिप्टस के पेड़ पूरी तरह झुके हुए हैं, जो किसी भी समय गिर सकते हैं। स्थानीय निवासियों ने कई बार मंडी समिति सचिव को इन पेड़ों के काटने की लिखित शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है व्यापारियों ने मंडी समिति की इस बदहाली के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए मुख्यमंत्री से मांग की है कि मंडी का जल्द से जल्द नवीनीकरण कराया जाए। मंडी परिसर को ऊंचा किया जाए, चारों तरफ मजबूत दीवार बनाई जाए और खतरे बन चुके पेड़ों को तत्काल हटवाया जाए वहीं मंडी समिति के नवागत सचिव का कहना है कि पेड़ों को कटवाने के लिए अधिकारियों को अवगत कराया गया है और जल्द ही जरूरी कार्यवाही की जाएगी।

बिजनौर में बाढ़ का कहर, गंगा का जलस्तर खतरनाक स्तर पर, गांवों में घुसा पानी, लोग परेशान

बिजनौर (सब का सपना) शौ सिंह सैनी:- पहाड़ी और मैदानी इलाकों में हो रही लगातार तेज बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। सबसे बड़ी चिंता गंगा नदी का जलस्तर है, जो खतरे के निशान 220 मीटर को पार करते हुए 221.50 मीटर तक पहुंच गया है। गंगा बैराज से मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में गंगा में 1,62,000 क्यूसेक से अधिक पानी बह रहा है, जिससे जिले में बाढ़ जैसी आपात स्थिति उत्पन्न हो गई है तेज बारिश के चलते अलावलपुर गांव में एक मकान का लेंटर ढह गया, जिसके नीचे सात लोग दब गए। मौके पर राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया, मलबे से सभी को बाहर निकाल लिया गया। इनमें से दो लोगों की हालत गंभीर है जिन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है,

जबकि अन्य का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है बिजनौर शहर के ईदगाह क्षेत्र में हालात बेहद खराब हैं। लगातार बारिश के कारण घरों और मस्जिदों में पानी घुस गया है। लोग चार फीट गहरे पानी में किसी तरह अपने घरों से निकल रहे हैं और एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं। सड़कें जलमग्न हैं, आवागमन ठप हो चुका है। नजीबाबाद क्षेत्र में मालन नदी के रपटे को पार करते समय एक स्कॉर्पियो गहरे पानी में फंस गई। स्थिति इतनी भयावह थी कि गाड़ी का बोनट तक डूब गया। मगर समय रहते स्थानीय लोगों ने रस्सियों की मदद से सवारों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। गाड़ी को भी पानी से बाहर खींचा गया।मालन नदी के उफान पर आने से नजीबाबाद की कछियाना बस्ती में पानी घुस गया है, जिससे लोग अपने घरों में कैद हो गए हैं। नजीबाबाद क्षेत्र में सड़कें तालाब में तब्दील हो चुकी हैं। कई जगहों पर दुकानों और घरों में पानी भर गया है मध्य गंगा सिंचाई खंड के एक्सईन बृजेश मौर्य ने बताया कि गंगा और मालन का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिसके पीछे पहाड़ी और मैदानी इलाकों में हो रही भारी बारिश प्रमुख कारण है। सिंचाई विभाग ने गंगा कैनाल इसलुईस-1और इसलुईस-2 से कोई पानी नहीं छोड़ा है और स्टाफ को 24 घंटे के लिए हाई अलर्ट पर रखा गया है प्रशासन ने नदी किनारे बसे गांवों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए राहत दल तैनात कर दिए गए हैं। साथ ही लोगों से अत्यधिक आवश्यकता होने पर ही घर से बाहर निकलने की अपील की गई है।

आदमपुर थाना प्रांगण में अमन कमेटी की बैठक, शांति बनाए रखने पर दिया गया जोर

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने एक अमन कमेटी की बैठक का आयोजन किया। यह बैठक आदमपुर थाना प्रांगण में हुई। जिसमें उपजिलाधिकारी पुष्कर नाथ चौधरी और पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत ने क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों और कमेटी सदस्यों के साथ संवाद किया। बैठक का मुख्य जोर आगामी त्योहारों रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, और चेहलुम को लेकर था। अधिकारियों ने सभी उपस्थित लोगों से अपील की कि वे इन त्योहारों के दौरान क्षेत्र में

शांति और सद्भाव बनाए रखें। इस अवसर पर रामडोल शोभायात्रा कमेटी और चेहलुम कमेटी के अध्यक्षों और सदस्यों से भी विशेष बातचीत की गई ताकि सभी पर्वों की तैयारियां और आयोजन सुचारू रूप से हो सकें। अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार का विवाद न हो और सभी समुदाय आपसी भाईचारे के साथ इन पर्वों को मना सकें। बैठक में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल सिंह और ढवारसी पुलिस चौकी इंचार्ज प्रवेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। इसके अलावा राजीव गोयल, शिवयंत त्यागी, जितेंद्र शुक्ला, आदित्य त्यागी, सोनू भाटी, मोंटी त्यागी, आरिफ प्रधान, यशपाल प्रधान, जैगम अब्बास, मुंशरीफ सैफी, और यशवीर प्रधान बैठक में शामिल रहे। उपजिलाधिकारी ने कहा कि इन बैठकों के आयोजन से प्रशासन और जनता के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलता है। जिससे किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सकता है और त्योहारों का उत्साह बिना किसी बाधा के बना रहता है।

आधार प्रमाणीकरण कराने के लिए किया गया कैम्प का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि मुख्य विकास अधिकारी अमरोहा के आदेशानुसार खण्ड विकास अधिकारी हसनपुर, अमरोहा में निराश्रित महिला पेंशन योजना के लाभार्थियों के आधार प्रमाणीकरण कराने हेतु कैम्प आयोजित किया गया जिसमें प्रमोद ग्राम विकास अधिकारी समाज कल्याण, आदिल परामर्शदाता, करूणा निधि परामर्शदाता, शीतल सुपरवाइजर इत्यादि उपस्थित रहें व विभाग की अन्य योजनाओ से भी अवगत कराया गया।

आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव का फूल माला डालकर किया गया स्वागत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रविन्द्र भाटी का गढ़ गंगा टोल प्लाजा व शहवाजपुर डोर में कार्यकताओं ने स्वागत किया। आपको बता दें कि आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रविंद्र भाटी मुरादाबाद में विशाल जनसभा को संबोधित करने के लिए जा रहे

थे। इस दौरान कार्यकताओं ने गढ़ गंगा टोल प्लाजा व शहवाजपुर गांव में आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं के द्वारा राष्ट्रीय महासचिव का फूल माला डालकर स्वागत किया है इस दौरान डॉक्टर मोनिस चौधरी जिला उपाध्यक्ष, मोनू सागर, मनोज कुमार जिलाध्यक्ष, देवेंद्र बेचला जी, अथहर एहसान जिला महासचिव सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिव्यांग छात्र छात्राओं के निशुल्क कैंप लगाकर बनाए गए दिव्यांग प्रमाण पत्र

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- ब्लॉक संसाधन केंद्र चन्दनपुर खादर पर समग्र शिक्षा के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने हेतु एक दिव्यांग मेडिकल असिसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का उद्घाटन खण्ड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार एवं डॉ .आरिफ शमी नेत्र सर्जन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। ज्ञात रहे कि विकास क्षेत्र के चिन्हित 306 दिव्यांग छात्र छात्राओं का प्रमाण पत्र कैंप में बनाए जाने थे लेकिन खराब मौसम के चलते कैंप में डॉक्टर शहनाज ताहिर, लक्ष्मी, सागर, आरिफ शमी द्वारा कैंप में उपस्थित मात्र 41 छात्र छात्राओं में से 29 दिव्यांग छात्र छात्राओं के प्रमाण पत्र ही बनाए गए। इस अवसर पर बोलते हुए खंड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार ने कहा कि इस कैंप के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों को जनपद मुख्यालय न जाकर आसानी से ब्लॉक स्तर पर कैंप द्वारा प्रमाण पत्र

बनाए जाने की सुविधा दिव्यांग बच्चों को दी गई है। खराब मौसम के चलते अवशेष रहे छात्र-छात्राओं के दिव्यांग प्रमाण पत्र पुनः कैंप लगाकर बनाए जाएंगे। छात्र-छात्राओं के साथ उनके अभिभावक भी मौजूद रहे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष गंगेश्वरी रामवीर सिंह, डॉक्टर शहबाज ताहिर, ऑर्थो सर्जन लक्ष्मी,ईएनटी डॉक्टर सागर,नेत्र सर्जन आरिफ शमी, प्रकाश अरोड़ा, विशेष शिक्षक दिवाकर शर्मा, प्रणवीर सिंह, विकास राहुल, प्रमोद कुमार, डॉक्टर रमेश चंद्र, जयपाल सिंह, फैजान हस्मत, हिर्देश वर्मा, आदि मौजूद रहे।

चालक/परिचालको के लिए एक चालन विनियमन प्रशिक्षण कायार्शाला का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स/अध्यक्ष, जिला सड़क सुरक्षा समिति जनपद अमरोहा के निदेर्शों के क्रम में सेंटमैरी कॉन्वेन्ट स्कूल गजरौला के सभागार में स्कूल वाहन चालक/परिचालको के लिए एक चालन विनियमन प्रशिक्षण कायार्शाला का आयोजन किया गया। उक्त कायार्शाला में सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) मुरादाबाद सम्भाग राजेश कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहें तथा उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) महेश कुमार शर्मा , सेफ ड्राइव रोड सेफ्टी फॉउन्डेशन अमरोहा के संस्थापक अनिल कुमार जग्गा, यात्री/मालकर अधिकारी सुधीर सिंह एवं यातायात प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार मलिक मुख्य वक्ता एवं कार्यक्रम संयोजक के रुप में पंडित पराग शर्मा, गुलशन पुरी एवं जनता मोटर ड्राईविंग ट्रेनिंग स्कूल अमरोहा के प्रबन्धक मुर्सलीन मन्सूरी जी उपस्थित रहें। कार्यक्रम स्थल आगमन पर मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्टजन का सेंटमैरी स्कूल बैण्ड ने स्वागत धुन के साथ स्वागत किया तथा विद्यालय की प्राचार्य सिस्टर रेम्या ने सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत किया। प्रषिक्षण कार्यक्रम का संचालन करते हुए अनिल कुमार जग्गा, ने र्स्वप्रथम स्कूली वाहन चालको एवं परिचालको को कार्यशाला आयोजित किये जाने की मंषा एवं चालन विनियमन 2017 में चालको परिचालको के लिए निर्धारित प्रावधान एवं जिम्मेदारियों से अवगत कराया तथा सुरक्षित वाहन चालन के टिप्स एवं व्हीकल मेन्टिनैंस मैकनिजम तथा फ्यूल ऐफीसैंसी की जानकारी उपलब्ध कराई। मुख्य अतिथि सम्भागीय परिवहन अधिकारी मुरादाबाद राजेश कुमार सिंह ने अपने सम्बोधन में कार्यषाला में उपस्थित वाहन चालको को उनकी डयूटी का अहसास कराया तथा उनकी जिम्मेदारियों के प्रति जागरुक किया तथा कहॉ कि एक स्कूल वाहन चालक पर अन्य चालको के अपेक्षा अधिक बोझ होता हैं तथा उसके कन्धे पर छोटे छोटे बच्चो की सुरक्षा की जिम्मेदारी होती हैं इस लिए स्कूल वाहन चालक को अधिक संवेदनषील एवं जिम्मेदार होना चाहिए तथा अपनी डयूटी में कभी भी लापरवाही नही करनी चाहिए। उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) महेश कुमार शर्मा, यात्री/मालकर अधिकारी सुधीर सिंह एवं यातायात प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार मलिक ने भी अपने अपने सम्बोधन में वाहन चालको परिचालको को सड़क सुरक्षा नियमो के प्रति जागरुक किया तथा चालन विनियमन 2017 के प्रावधानो से अवगत कराया तथा सुरक्षित वाहन संचालन के टिप्स दिए तथा लापरवाही से वाहन संचालन पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के परिणामों से अवगत कराया तथा कार्यक्रम के अन्त में उपस्थित समस्त जन को सड़क सुरक्षा षपथ ग्रहण कराई गयी।

रोडवेज बस की टक्कर से सिपाही की मौत परिवार में मचा कोहराम

बहजोई/संभल(सब का सपना):- रोडवेज बस की टक्कर से एक सिपाही की मौत हो गई पोस्टमार्टम के बाद घर आया शब परिजनों में कोहराम मच गया। घटना उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के थाना इस्लामनगर की है जहां एक बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ जब सिपाही टीपू सुल्तान पुत्र शिकंदर (42) ड्यूटी करके अपने घर वापस लौट रहे थे। एक रोडवेज बस ने टक्कर मार दी टीपू सुल्तान जनपद संभल के थाना बहजोई क्षेत्र के गांव आनंदपुर के निवासी थे। हादसे के बाद टीपू सुल्तान को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। पोस्टमॉर्टम के बाद उनके शव को उनके गांव आनंदपुर भेजा गया। इस घटना से पूरे गांव में मातम छा गया है परिजनों में कोहराम मच गया आस पास के लोगों का जमाबड़ा लग गया।हर एक की आंख नम हो गई पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और रोडवेज बस चालक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

जिले में जीरो पॉवर्टी योजना के तहत श्रमिक पंजीकरण कैंप का हुआ सफल आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेशः गरीबी उन्मूलन और श्रमिकों के कल्याण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी "जीरो पॉवर्टी योजना" के तहत अमरोहा जिले में हाल ही में श्रमिक पंजीकरण कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स श्रम विभाग के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिनके सार्थक प्रयासों ने इस पहल को सफल बनाने में श्रम विभाग के वरिष्ठ सहायक सुभाष यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कैंप का उद्देश्य जिले के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को पंजीकृत कर उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना था, ताकि उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो और वे सम्मानजनक जीवन जी सकें। जीरो पॉवर्टी योजना उत्तर प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका लक्ष्य गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है। इस योजना के तहत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, जैसे निर्माण श्रमिक, रेहड़ी-पटरी वाले, घरेलू कामगार, और अन्य छोटे-मोटे व्यवसायों में लगे लोगों को पंजीकृत किया जाता है। पंजीकरण के बाद, ये श्रमिक विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन, शिक्षा सहायता, और दुर्घटना बीमा जैसी सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। अमरोहा जिले में आयोजित इस कैंप ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कैंप का आयोजन जिले के विभिन्न ब्लॉकों जैसे गजरौला,

हसनपुर, धनौरा, और नौगांव सादात में किया गया। इन कैंपों में हजारों श्रमिकों ने भाग लिया और अपना पंजीकरण करवाया। श्रम विभाग के वरिष्ठ सहायक सुभाष यादव ने इस आयोजन को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए दिन-रात मेहनत की। उन्होंने न केवल कैंप की व्यवस्था को सुनिश्चित किया, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान भी चलाया ताकि अधिक से अधिक लोग इस अवसर का लाभ उठा सकें। इस अवसर पर जिले के सभी विकास खंडों में आयोजित हुए कैंपों में 2 लाख से ज्यादा पंजीयन हुए हैं। उनके प्रयासों की सराहना करते हुए जिला प्रशासन ने भी इस पहल को एक मील का पत्थर बताया। कैंप में पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी रखा गया। श्रमिकों को अपने आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, और अन्य आवश्यक दस्तावेज जमा करने थे। इसके बाद, उन्हें एक पंजीकरण कार्ड प्रदान किया गया, जिसके माध्यम से वे सरकारी योजनाओं के लिए पात्र हो गए। कैंप में आए श्रमिकों ने बताया कि इस तरह के आयोजन उनके लिए वरदान साबित हो रहे हैं, क्योंकि इससे पहले उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी और पहुंच सीमित थी। सुभाष यादव ने बताया कि इस कैंप के माध्यम से न केवल श्रमिकों का पंजीकरण हुआ, बल्कि उन्हें विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, अटल पेंशन योजना, और आयुष्मान भारत योजना के बारे में भी जानकारी दी गई। इसके अलावा, कैंप में श्रमिकों को उनके अधिकारों और कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के लिए सत्र भी आयोजित किए गए। अमरोहा जिले में गरीबी उन्मूलन की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। यह कैंप न केवल श्रमिकों के लिए आशा की किरण लेकर आया, बल्कि यह भी साबित करता है कि समर्पित प्रयासों से समाज के सबसे कमजोर वर्ग को भी मुख्यधारा में लाया जा सकता है।

शालोम चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया 12 वी बार पोषाहार वितरण

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी अभिषेक पांडे के कुशल निर्देश पर एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील कुमार त्यागी के नेतृत्व में जनपद हापुड़ में लगातार क्षय रोगियों के सहयोग में स्वयंसेवी संस्थाओं की सहभागिता बढ़ रही है इसी क्रम में आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हापुड़ पर शालोम चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा लगातार बारहवें माह टी0बी0 रोगियों को पोषाहार वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया की हमारी संस्था द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हापुड़ पर अगस्त 2024 से लगातार प्रतिमाह टी0बी0 रोगियों को पोषाहार वितरण किया जा रहा है। संस्था द्वारा पोषाहार ले रहे रोगियों में से अब तक 350 रोगी पूर्णतया स्वस्थ हो चुके हैं एवं भविष्य में भी इसी प्रकार टी0बी0 रोगियों को पोषण सहायता दिए जाने की कोशिश रहेगी। इस

अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह ने बताया की संस्था द्वारा निरंतर टी0बी0 रोगियों को सहयोग प्रदान किया जा रहा है और हम जनपद की सभी स्वयंसेवी संस्थाओं व औद्योगिक घरानों से अपील करते हैं की सभी प्रधानमंत्री टी0बी0 मुक्त भारत कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर जिला पी0 पी0 एम0 को ऑर्डिनेटर सुशील चौधरी द्वारा सभागार में एकत्रित टी0बी0 रोगियों एवं उनके तीमारदारों को टी0बी0 रोग के लक्षण उपचार व निदान के विषय में विस्तार से बताया सुशील चौधरी ने बताया कि यदि किसी भी व्यक्ति को दो सप्ताह या उससे अधिक से खांसी हो खांसी में बलगम आना बलगम के साथ खून आना वजन का घटना भूख कम लगना रात्रि में सोते समय कमर में पसीना आना या शरीर में गांठ हो जाना या हल्का बुखार रहना आदि यदि किसी को ऐसे लक्षण है तो यह संभावित टी0बी0 हो सकती है ऐसे में तुरंत ही अपने नजदीकी सरकारी अस्पताल जाकर जांच करना चाहिए। यदि जांच में टी0बी0 की पुष्टि होती है तो तुरंत ही अपना उपचार आरंभ करना चाहिए। उपचार आरंभ होने के उपरांत संपूर्ण कोर्स करना चाहिए उपचार कभी अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए। भारत सरकार द्वारा सभी टी0बी0 रोगियों को ड्ट1000 महीना निः क्षय पोषण योजना के अंतर्गत दिया जाता है एवं सभी सरकारी अस्पतालों में टी0बी0 की जांच एवं उपचार निशुल्क उपलब्ध है इस अवसर पर संस्था के प्रवीण कुमार, नीरज कुमार, प्रदीप कुमार, धनेश जैन, राघव गर्ग, क्षमा सिंह, भारती सिंह, वंदना एवम् स्वास्थ्य विभाग से वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक हसमत अली, लैब टेक्नीशियन वेदव्यास यादव एवं टी0बी0 एच0वी0 राजकुमार सिंह उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड के दौरान एक आरोपी गिरफ्तार दूसरा मौका पाकर हुआ फरार

असमोली/संभल(सब का सपना):- पुलिस मुठभेड़ में एक आरोपी गिरफ्तार तथा दूसरा मौका पाकर फरार होने में कामयाब हो गया। असमोली पुलिस द्वारा पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी युनुस पुत्र मोहम्मद अली निवासी ततारपुर थाना डिलारी जनपद मुरादाबाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। थाना असमोली पुलिस द्वारा मदन लोधीपुर मार्ग पर चेकिंग के दौरान सामने से आ रही एक मोटरसाइकिल सुपर सिलेंडर रंग काला जिसकी नंबर प्लेट को काले रंग की पन्नी से ढका हुआ था, जिस पर 2 व्यक्ति सवार थे। पुलिस द्वारा जिनको रुकने का इशारा किया गया तो मोटरसाईकिल सवार व्यक्ति सेवापुर पदारथपुर मार्ग की और भागने लगे। पुलिस द्वारा उनका पीछा किया जाने पर उनके द्वारा जान से मारने की नीयत से पुलिस पर फायर किया गया। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षा में की गयी जवाबी फायरिंग में एक अभियुक्त के पैर में गोली लगी व दूसरा अभियुक्त घने जंगल का फायदा उठा कर भागने में कामयाब रहा। घायल आरोपी युनुस के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर मय एक खोखा कारतूस 315 बोर व 2 जिंदा कारतूस 315 बोर व चोरी करने के उपकरण बरामद हुए। जिसके आपराधिक इतिहास के बारे में संबंधित थाने से जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि युनुस पर चोरी आदि के करीब 13 मुकदमे दर्ज है। आरोपी युनुश द्वारा फरार दूसरे साथी के बारे में पूछने पर उसका नाम शमशाद बताया गया। जिसके लिए आस पास के खेतों में कांबिंग की जा रही है। घायल बदमाश को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय संभल भेजा गया। पुलिस मुठभेड़ की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक सम्भल (उत्तरी), क्षेत्राधिकारी असमोली व आस-पास के थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। खबर लिखे जाने तक आरोपी की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना असमोली पर मामला पंजीकृत कर अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही थी।

भाकियू कार्यकताओं ने विशाल जनसभा को लेकर गांव गांव चलाया जन जागरण अभियान

संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बी आर एस एस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा जिला संरक्षक शिवनारायण सैनी के नेतृत्व में ग्राम - सलखना, लखौरी, सैंडा में जन जागरण बैठक का आयोजन किया गया । बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि संगठन द्वारा 12 अगस्त को चमरौआ में होने वाली विशाल जनसभा को सफल बनाने के उद्देश्य से गांव-गांव जन जागरण बैठक की जा रही है । जनसभा को संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक प्रोफेसर विनोद नागर (राष्ट्रीय समन्वय अधिकारी) संबोधित करेंगे संगठन हमेशा से ही किसान मजदूर एवं मजलूम के हित की लड़ाई लड़ता आया है और हमेशा लड़ता रहेगा किसानों की विभिन्न मांगों को जमीनी स्तर पर लड़ाई लड़ते हुए समाधान कराने को संगठन हमेशा अग्रसर है । समस्याओं से निजात पाने के लिए एकजुट होना की आवश्यक है, साथ ही किसानों के हितों की एवं समस्याओं की आवाज को उठाकर एकजुट होने की आवाज बुलंद की ! कार्यकताओं से अनुरोध किया समय से पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं । मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, जिला संरक्षक शिवनारायण सैनी, जिला प्रभारी सुभाष चाहल, जिला महासचिव अनमोल कुमार, तहसील अध्यक्ष मेहंदी हसन, प्रवेन्द्र यादव ब्लॉक अध्यक्ष पवांसा,युवा ब्लॉक अध्यक्ष सुफियान पाशा, चौ. संतवीर सिंह, रोहित सिद्धू,, सतेन्द्र चौधरी, संजू चाहल, सतवीर सिद्धू, बंटी चौधरी, जयवीर सिंह उर्फ नन्हे, मो. फुरकान अली, जोगिंदर सिंह, संजय शर्मा, डालचंद सिंह, मो. हसन, चौ. कल्लू सिंह, दाउद अली, नन्हे अली, चंद्रकेश यादव, गौरव चौधरी, ऋषिपाल यादव, हरवेन्द्र चौधरी एवं महिला कार्यकर्ता कांता चौधरी आदि उपस्थित रहे।

सपा कार्यकताओं की बैठक कैंप कार्यालय बहजोई में संपन्न हुई

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी की बैठक कैम्प कार्यालय बहजोई पर सम्पन्न हुई। बैठक में समाजवादी चिंतक समाजवाद के पुरोधा पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व जनेश्वर मिश्र की जयंती मनाई गई। जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी एवं पदाधिकारीयो द्वारा लोहिया जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प समर्पित कर श्रद्धांजलि दी। जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि स्व जनेश्वर मिश्र जिन्हें छोटे लोहिया जी कहा जाता था। वह समाजवाद के मजबूत स्तंभ थे। उन्होंने किसानों दलित अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग के लिए बहुत काम किया।सड़क से सांसद तक मजलूमों की आवाज बन कर पूरे जीवन संघर्ष करते रहे। वह समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं लोकसभा सदस्य राज्य सभा सांसद भी रहे थे। हमेशा देश में समाजवाद को मजबूत करने का काम किया उनके योगदान को भूलाया नहीं जा सकता। सभी कार्य कर्ता संकल्प लें पी डी ए परिवार को मजबूत करने का काम करें। बैठक में वक्ताओं ने जनेश्वर मिश्र के रास्ते पर चल कर समाजवादी पार्टी को मजबूत करने को कहा। बैठक में विमलेश कुमारी संगीता पाल उमेश यादव ताहिर उल्ला खान विधानसभा अध्यक्ष सुनील यादव शोभित कुमार काका अशोक यादव सद्दाम कुरेशी बलवंत सिंह जाटव कमल शर्मा जयवीर सिंह आकाश शखधार अशोक गुप्ता पुष्पेन्द्र यादव प्रतीक नानू अशोक राणा रोहिताश यादव योगेश यादव पप्पू शर्मा होराम सिंह सौरन सिंह राहुल यादव फाईयाज सैफी रियासत सैफी विलाल बब्बन मोर्या आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने किया गौ आश्रय स्थल कताई मिल का औचक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा मंगलवार को अस्थाई गौ आश्रय स्थल कताई मिल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पशु चिकित्सा अभिलेखों का परीक्षण करने पर माह अगस्त में एनीमल लॉग बुक अपडेट नहीं पायी गई, जिसपर पशु चिकित्सा अधिकारी को समस्त अभिलेख अपडेट रखने के निर्देश दिए। गौ आश्रय स्थल में सफाई व्यवस्था पर भी अधिक ध्यान देने के निर्देश केयर टेकर्स को दिए। उपस्थित सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि दो दिन से बिजली की आपूर्ति बाधित है पर जेनरेटर की सहायता से मोटर, चारा मशीन आदि संचालित किये जा रहे है। गौ आश्रय स्थल से सम्बद्ध लगभग 04 हेक्टेयर भूमि पर हरा चारा बोया गया है। भूसा पर्याप्त मात्रा में भंडारित पाया गया।जिलाधिकारी ने कहा कि निराश्रित गौवंश संरक्षण प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य न होगी। उन्होंने कहा कि संरक्षित पशुओं की चिकित्सा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। गौ आश्रय स्थल कताई मिल का संचालन स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा किया जा रहा है जो एक अभिनव प्रयोग है। गौ आश्रय स्थल में 415 गौवंश संरक्षित है जिनमें 02 बीमार है जिनका उपचार पशु चिकित्सा अधिकारी इब्राहिमपुर द्वारा किया जा रहा है। निरीक्षण के समय मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 आभा दत्त, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. रामवीर सिंह, एडीओ पंचायत, सचित व समूह की दीदियां उपस्थित रही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभल भ्रमण कार्यक्रम को लेकर पुलिस अधिकारियों ने किया निरीक्षण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 7 अगस्त को प्रस्तावित जनपद सम्भल भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत मण्लायुक्त मुरादाबाद मण्डल आंजनेय कुमार सिंह एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद रेंज, मुरादाबाद मुनिराज द्वारा बहजोई के नवीन पुलिस लाइन टिकटा रोड़ बहजोई एवं कार्यक्रम स्थल का कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर निरीक्षण किया। एवं हेलीपैड तथा सभा स्थल ,पार्किंग स्थल आदि का निरीक्षण किया एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी सम्भल डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट तथा अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा तथा उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी तथा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ शैलेंद्र सिंह तथा खण्ड विकास अधिकारी बहजोई ओमवीर सिंह तथा संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर का किया शुभारंभ, क्षय रोगियों को वितरित की पोषण पोटली

मरीजों का लिया हाल-चाल, प्रसूताओं को वितरित किए फल

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- राज्य मंत्री खाद एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश शासन/जनपद प्रभारी मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने आज अपने एक दिवसीय जनपद भ्रमण के दौरान जिला अस्पताल, लोक निर्माण विभाग के नवनिर्मित गेस्ट हाउस, अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल पंडरी, निमार्णाधीन मुख्यमंत्री अभ्युदय कंपोजिट विद्यालय धनी जलालपुर का स्थलीय निरीक्षण किया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सर्वप्रथम प्रभारी मंत्री जी ने जिला अस्पताल पहुंचकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर का पिता काटकर शुभारंभ किया, इसके पश्चात टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत क्षय

रोगियों को पोषण पोटली का वितरण किया तत्पश्चात एसएनसीयू का निरीक्षण कर नवजात शिशुओं को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली एवं प्रसूताओं को फल वितरित किया, इसके पश्चात प्रभारी मंत्री जी ने रोहसी बुजुर्ग में 720 लाख की लागत से लोक निर्माण विभाग के नवनिर्मित गेस्ट हाउस का निरीक्षण किया, नवीन गेस्ट हाउस में 8 सूट (कक्ष), मीटिंग हॉल, डॉरमेट्री रूम, किचन, पार्किंग आदि का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया गया है। इसके पश्चात मा. प्रभारी मंत्री जी

ने अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल पंडरी का निरीक्षण किया यहां पर उन्होंने गो पूजन कर गोवंशों को गुण व केला खिलाया तथा गौशाला परिसर में पौधरोपण भी किया। इस दौरान उन्होंने गो आश्रय स्थल में गोवंशों को हरा चारा, पशु आहार आदि पर्याप्त मात्रा में दिए जाने के निर्देश दिए तथा कहा कि कोई भी गोवंश भूख ना रहे एवं बीमार गोवंशों की नियमित देखभाल भी करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात प्रभारी मंत्री ने धनी जलालपुर में 133.14 लाख की लागत से निमार्णाधीन मुख्यमंत्री अभ्युदय कंपोजिट विद्यालय का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की स्थिति का जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों तथा कार्यदायी संस्था को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मा. प्रभारी मंत्री जी के निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरी, विधायक सुरेश पासी, जिलाधिकारी संजय चौहान, मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, जिलाध्यक्ष भाजपा सुधांशु शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह, अधिशासी अभियंता लोनिवि शैलेंद्र कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ जेपी शुक्ला, बीएससी संजय तिवारी, डीआइओएस डॉ राजेश द्विवेदी सहित अन्य संबंधित अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नामी दूध कंपनियों के टैंकर से अनाधिकृत रूप से दूध निकालने वाले चार गिरफ्तार

संभल(सब का सपना):- नामी दूध कंपनियों के टैंकर से अनाधिकृत रूप से तथा ड्राइवरों की मिली भगत से दूध निकालने वाले चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बता दें कि जनपद संभल के थाना नखासा पर उप निरीक्षक नितिन गौतम जो थाना नखासा जनपद सम्भल पर तैनात हैं उनके द्वारा सूचना दी गई कि अभियुक्तगण द्वारा नामी दूध की कम्पनियों के दूध के टैंकरों के ड्राइवरों से साठगांठ करके उनमें से अनाधिकृत रुप से दूध निकालने के सम्बन्ध में थाना नखासा पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। 4 अगस्त को थाना नखासा पुलिस टीम द्वारा चार लोगों राहुल कुमार पुत्र निहाल सिंह निवासी ग्राम उसमानपुर थाना जसराना जनपद फिरोजाबाद, विनय कुमार पुत्र निहाल सिंह निवासी उसमानपुर थाना जसराना जनपद फिरोजाबाद,सुरजीत यादव पुत्र सुनील कुमार निवासी मुबारिकपुर छछियाना थाना मलावन जनपद एटा, तथा रमाकान्त पुत्र लाल सिंह निवासी ग्राम नगला गडरिया थाना सिरसागंज जनपद फिरोजाबाद को कैसर ब्रिक वर्क्स से पहले सडक किनारे से संभल पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है गिरफ्तार आरोपियों पर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

एबीवीपी ने कर दिया बड़ा एलान, भूख हड़ताल में कौन-कौन शामिल? ये है प्रमुख मांग

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय में छात्र हितों से जुड़ी मांगों की लगातार अनदेखी के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) और उसके नेतृत्व वाले दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) ने सोमवार से भूख हड़ताल का एलान कर दिया है। इस दौरान अभाविप दिल्ली प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि यह संघर्ष केवल मांगों का नहीं बल्कि विश्वविद्यालय में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का प्रयास है। उपाध्यक्ष भानु प्रताप ने कहा कि प्रशासन की लगातार उपेक्षा के चलते यह कदम उठाना पड़ा है। जब तक मांगे पूरी नहीं होतीं तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, भूख हड़ताल में डूसू के उपाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, सचिव मित्र विंदा करनवाल, यश डबास, आर्यन मान, गोविंद तंवर, प्रबल प्रताप सिंह, नितिन तंवर, रोहित डेढ़ा, दीपिका झा, लक्ष्य राज सिंह और वंतिका सिंह शामिल रहें। ज्ञात हो कि दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्र अधिकार एवं छात्रों की मूलभूत सुविधाओं में कमी को लेकर अभाविप ने 21 जुलाई को """छात्र अधिकार मार्च""" निकाला था। अभाविप ने इस मार्च के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष पीजी पाठ्यक्रमों में एक कोर्स एक फीस, केंद्रीकृत हॉस्टल आवंटन प्रणाली की स्थापना, दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों में आंतरिक शिकायत समिति का गठन और उसका सक्रिय संचालन तथा कालेजों में मनमानी फीस वृद्धि को वापस जैसी प्रमुख मांग को रखा था।

अमेठी में एनसीसी प्रवेश के लिए शारीरिक और लिखित परीक्षा संपन्न-

दो कॉलेजों के 255 छात्रों में से 82 का होगा अंतिम चयन

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- एनसीसी में प्रवेश के लिए जनपद में सोमवार को शारीरिक मापदंड और लिखित परीक्षा आयोजित की गई। यह चयन प्रक्रिया 18 यूपी बटालियन के एडम अफसर लेफ्टिनेंट कर्नल अरविंद सिंह यादव और सूबेदार मेजर इकबाल सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई। परीक्षा में आरआरपीजी कॉलेज अमेठी से 60 लड़के और 45 लड़कियां तथा श्री रणवीर इंटर कॉलेज से 150 लड़के और 60 लड़कियां सम्मिलित हुए। प्रारंभिक दौर में शारीरिक मापदंड और दौड़ के बाद 67 लड़के और 42 लड़कियां लिखित परीक्षा में

शामिल हुए। छात्रों के लिए न्यूनतम लंबाई 172 सेमी और छात्राओं के लिए 165 सेमी निर्धारित की गई थी। प्रतिभागियों को 1600 मीटर की दौड़ 6 मिनट 30 सेकंड में पूरी करनी थी। परीक्षा में सफल होने वाले आरआरपीजी कॉलेज के 8 लड़कों और 7 लड़कियों, तथा रणवीर इंटर कॉलेज के 46 लड़कों और 21 लड़कियों का अंतिम चयन किया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओपी त्रिपाठी ने भारी बारिश के बावजूद चयन प्रक्रिया की निगरानी की। कैप्टन उमेश सिंह ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों को तीन वर्षों की एनसीसी ट्रेनिंग दी जाएगी, जिसमें ए, बी और सी प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर मुख्य कुलानुशासक डॉ. दुष्यंत प्रताप सिंह, डॉ. देवेंद्र कुमार मिश्र, मानवेंद्र प्रताप सिंह, भगवती थिटे, कैप्टन मायाराम समेत अन्य शिक्षक व स्टाफ भी उपस्थित रहे।

पात्र दिव्यांग दम्पत्ति शादी अनुदान हेतु ऑनलाइन आवेदन के उपरान्त समस्त प्रपत्र कार्यालय में करें प्रस्तुत

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विकास मौर्या ने समस्त दिव्यांगजन को सूचित किया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अन्तर्गत दम्पत्ति में युवक के दिव्यांग होने की दशा में रू0 15000 व युवती के दिव्यांग होने की दशा में रू0 20000 एवं युवक-युवती दोनों के दिव्यांग होने की दशा में रु0 35000 की धनराशि प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि उक्त योजना के तहत पात्रता की शर्तो के अनुसार दिव्यांग दम्पत्ति में आवेदक का दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक हो, वर की आयु न्यूनतम 21 वर्ष एवं वधू की आयु न्यूनतम 18 वर्ष हो, दिव्यांग दम्पत्ति का संयुक्त खाता संचालित हो, शादी गत वित्तीय वर्ष 2024-25 या चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में सम्पन्न हुई हो एवं दिव्यांग दम्पत्ति के पास आधार कार्ड होने के साथ ही आयकर दाता न हो। इस क्रम में उन्होंने बताया कि दिव्यांग शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अन्तर्गत इच्छुक दिव्यांग अपना आवेदन वेबसाइट http//divyangjan.upsdc.gov.in पर कर सकते हैं तथा ऑनलाइन फार्म भरते समय आवेदक दम्पत्ति को दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला संयुक्त नवीनतम फोटो, आय व जाति प्रमाण पत्र, युवक एवं युवती का आयु प्रमाण पत्र (जिसमें जन्मतिथि का अंकन हो) सक्षम अधिकारी से निर्गत दिव्यांगता प्रमाणपत्र, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित संयुक्त खाता, निवास प्रमाण पत्र एवं युवक एवं युवती की आधार कार्ड की छायाप्रति एवं शादी का कार्ड आदि अभिलेखों के साथ ऑनलाइन आवेदन पत्र पर अपलोड करना अनिवार्य है। इस सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि उक्त योजना में आवेदक द्वारा ऑनलाइन किए गये आवेदन पत्र की प्रिंट प्रति एवं वांछित प्रपत्रों की हार्ड कापी जनपद के जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अमेठी के कार्यालय में प्रस्तुत की जाएगी एवं अपूर्ण आवेदन पत्र मान्य नहीं होंगे तथा आवेदक द्वारा अपना मो०नं० आवेदन पत्र पर अनिवार्य रूप से अंकित किया जायेगा।

दिल्ली में बिजली चोरी करने वाले सावधान, पकड़े जाने पर जाना होगा जेल; लगेगा भारी जुमार्ना

बाहरी दिल्ली। रोहिणी जिले की विशेष विद्युत अदालत ने बिजली चोरी के दो मामलों में 13.78 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। अदालत ने बिजली चोरी के एक मामले में दोषी को जुमार्ना के साथ-साथ तीन महीने के कारावास की सजा भी दी है। मंगोलपुरी में छापे के दौरान दोषी अनाधिकृत रूप से घरेलू उपभोग व ई-रिक्शाओं की चार्जिंग करता पाया गया था। विशेष विद्युत अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत कुमार इन दोनों मामलों की सुनवाई के बाद अपना फैसला दिया। उत्तरी दिल्ली के उपभोक्ताओं को बिजली सप्लाई करने वाली पावर यूटिलिटी टाटा पावर-डीडीएल प्रवक्ता ने बताया कि शालीमार बाग में 31 जुलाई 2018 को टाटा पावर-

डीडीएल की एन्फोर्समेंट टीम ने बलराम नामक व्यक्ति के व्यवसायिक प्रतिष्ठान के निरीक्षण के दौरान बिजली चोरी करते हुए पाया। ई-रिक्शों की चार्जिंग करता पाया गया आरोपित के परिसर में ई-रिक्शाओं की अनधिकृत चार्जिंग की जा रही थी। कुल 18.045 किलोवाट (गैर-घरेलू) का कनेक्टेड लोड पाया गया और 13 लाख 56 हजार 945 की देनदारी तय की गई। विशेष विद्युत अदालत ने विद्युत अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत अभियुक्त को बिजली चोरी तथा मीटर के साथ छेड़छाड़ का दोषी पाया। बिजली चोरी के एक अन्य मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने मुकेश कुमार नामक व्यक्ति को दोषी ठहराया और जुमार्ना के साथ-साथ उसे तीन माह के कारावास की सजा भी दी गई। प्रवक्ता ने बताया कि 21 फरवरी 2017 को टाटा पावर-डीडीएल की टीम ने उपभोक्ता मुकेश कुमार के परिसर में छापा मारा और अनाधिकृत रूप से घरेलू उपभोग के अलावा ई-रिक्शाओं की चार्जिंग के लिए बिजली चोरी का पता लगाया। उपभोक्ता ने अपनी माता के नाम पर मीटर रजिस्टर करवाकर चोरी को छिपाने का प्रयास भी किया। अदालत ने मुकेश कुमार को टाटा पावर-डीडीएल की एलटी एबीसी तारों से बिजली चोरी का दोषी पाया और तीन माह के कारावास की सजा सुनाई। दोषी उपभोक्ता पर 13 हजार 78 हजार 702 की देनदारी तय की गई।

अमेठी में 36 घंटे से मूसलाधार बारिश का कहर, अफसरों तक को छोड़ना पड़ा घर-

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- उपजिलाधिकारी के आवास में बारिश का पानी भर गया जिसकी वजह से वह सुरक्षित दूसरी जगह शिफ्ट हो गए हैं। पिछले 36 घंटे से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। शहर की कॉलोनियों और गलियों में पानी भरने से हालात और भी बिगड़ गए हैं। बारिश के कारण कई जगहों पर पेड़ गिर गए हैं, तो कई मकानों को भी नुकसान पहुँचा है। इससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। जल निकासी की व्यवस्था फेल होने से नगर पंचायत और नगर पालिका की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह रही कि अमेठी की एसडीएम कॉलोनी तक जलभराव की चपेट में आ गई। उपजिलाधिकारी आशीष सिंह और सीओ अमेठी के आवास में भी घुटनों तक पानी भर गया, जिससे उन्हें अपने परिवार सहित सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट होना पड़ा। स्थिति यह हो गई है कि कई अधिकारी और कर्मचारी अब अपने सरकारी आवास छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। पिछले दिनों से लगातार हो रही बारिश ने नगर निकायों की तैयारियों की पोल खोल कर रख दी है।

भारत मंडपम में लगने जा रहा अंतरराष्ट्रीय फुटवियर मेला, जानिए इस बार क्या होगा खास?

नई दिल्ली। भारतीय व्यापार संवर्द्धन संगठन (आइटीपीओ) के वार्षिक आयोजन भारत अंतरराष्ट्रीय फुटवियर मेला (आइआइएफएफ) दिल्ली 2025 की शुरूआत बुधवार से होने जा रही है। यह नौवां फुटवियर मेला है और भारत मंडपम के हॉल नंबर पांच (भूतल) व हॉल नं. छह में छह से आठ अगस्त तक चलेगा। यह एक बी-टू-बी (व्यावसायिक) आयोजन है। आइआइएफएफ 2025 में फुटवियर, सिंथेटिक सामग्री, फुटवियर घटक, सहायक उपकरण, मशीनरी और उपकरण तथा रसायन प्रदर्शित किए जाएंगे। इस मेले में लगभग 15,000 भारतीय एवं विदेशी व्यापारिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है। सोमवार को पत्रकार वार्ता में आइटीपीओ के ओएसडी कर्नल लेफ्टिनेंट हर्ष कंडोलिया ने बताया कि मेले का आयोजन कंफेडरेशन ऑफ इंडियन फुटवियर इंडस्ट्री (सीआइएफआइ) के सहयोग से किया जा रहा है। यह मेला इंडियन फुटवियर कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट द्वारा समर्थित है। कंडोलिया ने बताया कि इस मेले में भारत और विदेशों की 200 से अधिक प्रमुख कंपनियां भाग ले रही हैं तथा विदेशी भागीदार जापान और ताइवान है। प्रदर्शनी प्रोफाइल में हॉल नंबर पांच भूतल में रसायन, कंपोनेंट्स, सामग्री जैसे संबद्ध क्षेत्र शामिल हैं, जबकि हॉल नं. छह में फुटवियर और मशीनरी का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें सिंथेटिक सामग्री जैसे पीवीसी, पीयू, फैब्रिक सोल्स, चिपकने वाले रसायन, चमड़े से बने उत्पाद और एसेसरीज भी प्रदर्शित की जाएंगी।

बिजनेस वीजा पर दिल्ली आए थे दो नाइजीरियाई, बंद कमरे में मिलीं लाशें तो मचा हड़कंप

पश्चिमी दिल्ली। डाबड़ी थाना क्षेत्र में नाइजीरियाई युवकों की मौत पर रहस्य बरकरार है। शुरूआती जांच में पता चला है कि दोनों युवक बिजनेस वीजा पर भारत आए थे और बुराड़ी इलाके में रह रहे थे। घटना के एक दिन पहले ही दोनों डाबड़ी इलाके में आए थे। पुलिस ने इनकी मौत की सूचना दूतावास को दे दी है। दूतावास कर्मी इनके परिवार वालों से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके आने के बाद ही दोनों का पोस्टमार्टम किया जाएगा। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार दोपहर बाद चाणक्य प्लेस

स्थित एक कपड़े के गोदाम के पीछे पहली मंजिल पर कमरे में दो नाइजीरियाई युवक के मृत पड़े होने की जानकारी मिली थी।शनिवार को चाणक्य प्लेस आए थे दोनों सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद शव को कब्जे में ले लिया। दोनों की पहचान नाइजीरिया निवासी जोसफ और शिबिटर्न के रूप में हुई। इनके परिचित से पूछताछ करने पर पता चला कि दोनों बुराड़ी इलाके में रहते थे और शनिवार को दोनों चाणक्य प्लेस आए थे। पुलिस को जांच में पता चला कि जिस इमारत में दोनों का शव मिला है, उसे हैनरी ने किराए पर लिया है। हैनरी फिलहाल दुबई गया हुआ है। पुलिस ने छानबीन के सिलसिले में बुराड़ी स्थित इनके घर पर एक टीम को भेजा। वहां पर पुलिस को इनके पासपोर्ट व अन्य दस्तावेज मिले। इनके वीजा वैध पाए गए। दोनों बिजनेस वीजा पर भारत आए थे और बुराड़ी इलाके में रह रहे थे। जांच में पता चला कि इनका कारोबार के सिलसिले में हैनरी के पास आना जाना होता था।

घायल युवक की मदद को आगे आए प्रभारी मंत्री सतीश चंद्र शर्मा

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जनपद के प्रभारी मंत्री एवं उत्तर प्रदेश सरकार में खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने सोमवार को अपने अमेठी दौरे के दौरान मानवता की मिसाल पेश की। इन्हौना थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर हजारीगंज के पास हुए एक सड़क हादसे में घायल युवक को उन्होंने खुद रुककर अस्पताल भिजवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 11 बजे 36 वर्षीय राहुल सिंह, निवासी खोसदिया महोना पश्चिम (थाना बाजार शुकुल), बाइक से सड़क पार कर रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में राहुल गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों द्वारा एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी गई। इसी दौरान लखनऊ से अमेठी आ रहे प्रभारी मंत्री का काफिला गुजर रहा था। मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने जैसे ही घायल युवक को देखा, तुरंत अपना काफिला रुकवाया और स्वयं मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। उन्होंने तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। मंत्री की इस संवेदनशील पहल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसे लेकर आमजन उनकी सराहना कर रहे हैं।

चौंका देगा राजधानी में हुई घटनाओं का ये आंकड़ा, हाई प्रोफाइल लोगों को भी बनाया शिकार और...

नई दिल्ली। राजधानी में झपटमारी की वारदात पर पुलिस अंकुश नहीं लगा पा रही है। झपटमारों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे नई दिल्ली जैसे अति सुरक्षित क्षेत्र में भी महिलाओं को शिकार बनाने से नहीं चूकते हैं। वहीं, ताजा मामला बेहद हैरान करने वाला सोमवार को चाणक्यपुरी में सामने आया जब पोलैंड दूतावास के गेट के बाहर खड़ी कांग्रेस की एक महिला सांसद के साथ ही झपटमारी हो गई। स्कूटी सवार झपटमार वारदात के बाद आसानी से मौके से भागने में कामयाब हो गया। वहीं, घटनाओं को देखें तो झपटमार दिन हो या रात किसी भी समय राह चलती महिलाओं या पार्कों के आसपास वाक करती महिलाओं का पर्स, चेन या मोबाइल झपट लेते हैं। दिल्ली पुलिस के बीते छह माह के आंकड़ों को देखें तो राजधानी में 2503 महिलाओं व अन्य के साथ झपटमारी की वारदात हुईं। इस आंकड़े को प्रतिदिन के हिसाब से देखा जाय तो पूरी दिल्ली में हर दिन 14 से अधिक झपटमारी की वारदात हुई। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी का कहना है कि सड़कों पर पुलिस की मुस्तैदी न होने के कारण स्ट्रीट क्राइम पर अंकुश लगाना पुलिस के

लिए चुनौती बनी है। झपटमारी होना शहर की लचर कानून व्यवस्था को दशार्ता है। बड़ी समस्या यह है कि किसी जिले में झपटमारी की वारदात होने पर पीड़ित अगर पीसीआर काल करता है तो घटना की काल को उस जिले में भी फ्लैश नहीं किया जाता है। पीड़ित को थाने आकर शिकायत देने को कहा जाता है। कुछ मामले में वायरलैस मैसेज केवल संबंधित जिले में फ्लैश कर दिया जाता है। सभी थाना पुलिस अपने-अपने थानाक्षेत्र में हमेशा पिकेट लगाकर चेकिंग भी नहीं करती है। अगर 24 घंटे सभी थाने की पुलिस अपने-अपने इलााके में पिकेट लगाकर जांच करें और हर घटना का वायरलैस मैसेज पूरी दिल्ली में फ्लैश हो तब झपटमारों में पकड़े जाने का खौफ पैदा हो सकता है। झपटमारी की घटना को बेहद हल्के में लेने के कारण राजधानी में इस तरह की वारदात पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। केवल हाई प्रोफाइल लोगों के साथ झपटमारी होने पर ही पुलिस उसे गंभीरता से लेती है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि गाजियाबाद के पसोंडा गिरोहों का राजधानी में आतंक रहा है। दो बाइक या दो स्कूटी पर सवार होकर चार की संख्या में वे झपटमारी करने दिल्ली आते हैं। उनके पास अवैध हथियार भी होते हैं। वारदात के बाद पकड़े जाने पर वे गोलियां चलाने से नहीं चूकते हैं। चाणक्यपुरी मामले में पुलिस ने पसोंडा गिरोह का हाथ होने से इन्कार किया है। पुलिस का कहना है कि झपटमार अकेला था। सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि झपटमार मोती नगर फ्लाई ओवर से चाणक्यपुरी आया था।

हरियाणा में नये जिलों के गठन पर लगा ब्रेक, नायब सरकार अब कब लेगी फैसला?

चंडीगढ़। हरियाणा में नये जिलों के गठन की बाट जोह रहे लोगों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। प्रदेश के सभी जिलों, तहसीलों व कस्बों की प्रशासनिक सीमाओं में अब किसी तरह का बदलाव नहीं होगा। पहली जनवरी 2026 से जनगणना के कार्य को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही किसी तरह के बदलाव हो सकेंगे। वित्तायुक्त तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा ने सोमवार को इस संदर्भ में अधिसूचना जारी की है। सुमिता मिश्रा ने जनगणना नियम-1990 के नियम आठ के खंड (4) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्णय दिया है। हरियाणा में नये जिलों, उपमंडलों, तहसीलों व उप-तहसीलों की मांग लंबे समय से चली आ रही है। कैबिनेट सब-कमेटी का हुआ गठन प्रदेश की नायब सरकार ने विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार की अध्यक्षता में

कैबिनेट सब-कमेटी का गठन किया हुआ है। इस कमेटी में संसदीय कार्य मामले मंत्री महिपाल सिंह ढांडा तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल भी शामिल हैं। कमेटी की कई बैठकें हो चुकी हैं। कमेटी ने नये जिलों व उपमंडल आदि को लेकर आए प्रस्तावों पर चर्चा भी की है। सभी मांगों को संबंधित जिलों के डीसी के पास भेजा जा चुका है। अब डीसी विस्तृत रिपोर्ट बनाकर इस कमेटी के पास भेजेंगे। वे नये जिलों के गठन के लिए जरूरी नियमों एवं शर्तों के हिसाब से अपनी रिपोर्ट कमेटी के पास भिजवाएंगे। यह रिपोर्ट कब आएगी, यह कहा नहीं जा सकता, लेकिन एक जनवरी 2026 से जनगणना के चलते प्रशासनिक

हरियाणा में नए जिलों के गठन का इंतजार और बढ़ गया है। सरकार ने 1 जनवरी 2026 तक प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव पर रोक लगा दी है क्योंकि इस दौरान जनगणना का कार्य किया जाएगा। वित्तायुक्त सुमिता मिश्रा ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। गोहाना हांसी और डबवाली जैसे क्षेत्रों को जिला बनाने की मांग लंबे समय से चल रही है।

सीमाओं में बदलाव पर पूरी तरह से रोक लग गई है। अब नई जनगणना के बाद ही बदलाव संभव हो पाएगा। इन इलाकों को जिला बनाने की तैयारी सोनीपत के गोहाना, हिसार के हांसी, सिरसा के डबवाली, करनाल के असंध तथा गुरुग्राम के मानेसर को जिला बनाए जाने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। हरियाणा सरकार डबवाली व हांसी को पहले ही पुलिस जिला घोषित कर चुकी है। पूर्व की मनोहर सरकार के पहले कार्यकाल में पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ की अध्यक्षता वाली कैबिनेट सब-कमेटी की सिफारिश पर चरखी दादरी को राज्य का 22वां जिला घोषित किया गया था। कमेटी ने गोहाना व हांसी को भी जिला बनाने की सिफारिश की थी, लेकिन तत्कालीन सरकार ने इसे माना नहीं था

पुलिस ने बाईपास पर रोकी काले शीशों वाली थार, अंदर बैठे थे चार बदमाश

खरखौदा। शहर के सांपला चौक बाईपास से खरखौदा पुलिस ने शीशों पर काली फिल्म चढ़ी थार गाड़ी को संदिग्ध मानकर जब उसे रुकवाया और अंदर बैठे युवकों से उनके नाम-पते पूछे तो चार युवकों पर कई केस दर्ज मिले। ऐसे में पुलिस ने किसी आपराधिक घटना के होने की आशंका के चलते पांचों युवकों को गिरफ्तार करते हुए उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया और थार को भी जब्त कर लिया। पुलिस का कहना है कि पकड़ में आए आरोपितों में से कोई भी खरखौदा थाना क्षेत्र का नहीं है, ऐसे में वह यहां पर क्या कर रहे थे जवाब नहीं दे पाने के चलते यह कार्रवाई की गई है। थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि वह क्राइम यूनिट,

खरखौदा प्रभारी रवींद्र कुमार के साथ गश्त पर थे, इसी दौरान शहर के सांपला चौक बाईपास पर एक थार गाड़ी खड़ी दिखाई दी जिसके सभी शीशों पर काली फिल्म चढ़ी हुई थी। पुलिस ने गाड़ी रुकवाई और उसमें बैठे युवकों से उनके नाम पते पूछे। युवकों में से एक ने अपनी पहचान पानीपत के कुनाल, करनाल, के अमित, डाहर, पानीपत के अशोक, गोहाना के दीपक व अजीत के रूप में दी गई। थार में लाठी-डंडे भी बरामद हुए। शक के आधार पर जब उनसे संबंधित जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि कुनाल पर अपहरण सहित दो केस दर्ज हैं, अमित पर एक, अशोक पर चार और दीपक पर भी एक केस दर्ज है। अजीत के खिलाफ कोई केस दर्ज नहीं मिला। थाना प्रभारी का कहना है कि युवकों का खरखौदा से कोई संबंध नहीं है, फिर भी वह यहां पर आए हुए थे, पूछताछ में आने की वजह नहीं दे पाए। ऐसे में सभी को पकड़कर उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है और थार गाड़ी के कागज भी नहीं दिखाए जाने पर उसे भी कब्जे में ले लिया गया है। आरोपितों की तरफ से कोई आपराधिक वारदात को अंजाम दिया जा सकता था, इसी लिए यह कार्रवाई की गई है।

अपना घर का बनाने का सपना अब होगा मुश्किल, कलेक्टर रेट बढ़ने से आम लोगों पर पड़ेगा बोझ

नारनौल : मंगलवार को हरियाणा के पूर्व मंत्री राव नरेंद्र सिंह ने प्रेस नोट के माध्यम से बताया कि हाल ही में हरियाणा की भाजपा सरकार द्वारा कलेक्टर रेट में किए इजाफे से आमजन पर कमरतोड़ बोझ डालने का काम किया है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा ने कलेक्टर रेट में बढ़ोतरी कर प्रदेश की जनता पर करीबन पांच हजार करोड़ का अतिरिक्त बोझ डालने का काम किया है , जिस प्रकार से प्रदेश की जनता से बिना किसी संवाद या चर्चा के व बिना किसी मापदंड के आठ महीनों में दो बार प्रदेश में क्लेक्टर रेट में वृद्धि कर सरकार का कुप्रबंधन का प्रमाण दिया है । राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि जहां एक तरफ भाजपा ने आमजन से 2022 तक सभी को पक्का मकान देने का वादा किया था और अब इस क्लेक्टर रेट की अतिरिक्त वसूली से खुद की कमाई से भी मकान बनाने का सपना भी दूभर कर दिया है ।

हरियाणा में आज इन जिलों में जमकर बरसेंगे बादल, घर से निकलने से पहले

हरियाणा : हरियाणा में आज तेज बारिश की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र चंडीगढ़ (IMD) ने यमुनानगर, करनाल, पानीपत, सोनीपत, झज्जर, गुरुग्राम, फरीदाबाद, मेवात और पलवल में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि पंचकूला, अंबाला, जींद, रोहतक, चरखी दादरी और रेवाड़ी में यलो अलर्ट है। IMD के मुताबिक प्रदेश में अब तक सामान्य से 22 प्रतिशत ज्यादा बारिश दर्ज की गई है. 4 अगस्त तक औसतन 227.5 एमएम बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन प्रदेश में 277.3 एमएम बारिश हो चुकी है। इस सीजन सबसे ज्यादा बारिश यमुनानगर में 557.5 और महेंद्रगढ़ में 543.9 एमएम बारिश दर्ज की गई है, जबकि सबसे कम बारिश कैथल में 143.9 और जींद में 144.3 एमएम बारिश दर्ज हुई है। अब तक इस मानसून सीजन में यमुनानगर जिले में सबसे अधिक और कैथल में सबसे कम बारिश हुई है।बता दें कि कल यानी 4 अगस्त को हरियाणा के हिसार जिले में सबसे अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हरियाणा में आज सुबह का तापमान 24त्त है. हरियाणा में सुबह बारिश की संभावना 100% है. आसमान में बादल छाए हुए हैं।

गजब का चोर, वैन चोरी कर सामान निकाला, फिर अगले दिन कर दिया ये काम,मालिक हुआ हैरान

गन्नौर : गांव सैयांखेड़ा में इको वैन चोरी का मामला अब एक नए मोड़ पर आ गया है। जिस वैन को चोर ने 28 जुलाई की रात चोरी किया था, वही वाहन अगली रात वापस गांव की फिरनी पर खड़ा मिला। हालांकि, चोर ने वैन से म्यूजिक सिस्टम, स्पीकर, आरसी, फास्टैग व अन्य सामान निकाल लिए थे। सैयांखेड़ा निवासी जोगिंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसने अपनी इको वैन अपने खाली प्लाट में खड़ी की थी, लेकिन अगली सुबह वैन वहां से गायब मिली। जब आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए तो रात करीब 1 बजे एक संदिग्ध युवक वैन ले जाता दिखाई दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। घटना के 24 घंटे बाद, चोरी की गई वैन गांव की फिरनी के पास खड़ी मिली। सुबह जब जोगिंद्र ने वैन देखी तो हैरान रह गया। गाड़ी के कागज व अन्य सामान गायब था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

कुरुक्षेत्र में कई थाना प्रभारी किए इधर उधर, विनय कुमार बने जिला के सबसे कम उम्र के एस एच ओ

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र पुलिस अधीक्षक नितीश अग्रवाल ने आधा दर्जन थाना प्रभारीयों का स्थानांतरण किया है। इनमें नवनियुक्त सिटी थाना प्रभारी विनय कुमार ने पदभार संभाला है। इससे पहले विनय कुमार अपराध शाखा की आईओ विंग में कार्यरत थे। विनय कुमार कुरुक्षेत्र जिले के सबसे कम उम्र के एसएचओ हैं। सिटी थाना प्रभारी विनय कुमार ने कहा कि उनकी मुख्य प्राथमिकता नशे को जड़ से खत्म करना और अपराध पर अंकुश लगाना है। उन्होंने जनता से इस अभियान में पुलिस का सहयोग करने का अनुरोध किया है। साथ ही, उन्होंने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की भी अपील की। वहीं, कृष्णा गेट थाना के नवनियुक्त एसएचओ बलजीत सिंह ने औपचारिक कार्यभार संभालने के बाद पुलिसकर्मियों के साथ एक परिचयात्मक बैठक की, जिसमें उन्होंने अपनी दृष्टि और अपेक्षाएँ साझा कीं।

दादरी की बेटी ने जूनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड , परिजन बोले- बेटी नहीं बल्कि बेटा पैदा किया है

चरखी दादरी : पिछले दिनों ग्रीस में आयोजित जूनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर घर लौटने पर गांव बौंद खुर्द के सरपंच की बेटी रचना परमार उर्फ भंभो पहलवान का ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। वहीं पिता सरपंच अजीत नंबरदार का सपना बेटी को ओलपिक में गोल्ड जीतने का है। पिता ने कहा कि बेटी को ओलंपिक में खिलाने के लिए चाहे जमीन बेचनी पड़े तो बेच देंगे। बेटी नहीं बल्कि बेटा पैदा किया है और बेटी का सपना पूरा करवाने के लिए कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे। बता दें कि गांव बौंद खुर्द की महिला सरपंच क्षमा देवी की मात्र 17 वर्षीय बेटी रचना परमार उर्फ भंभो पहलवान ने अंडर-17 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। रचना ने ग्रीस में आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल में चीन की खिलाड़ी को 3-0 से हराया है। रचना ने 43 किलोग्राम भारवर्ग में यह उपलब्धि हासिल की है। वहीं करीब एक माह पहले रचना परमार ने एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था। भारतीय कुश्ती फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण भी बौंद में आयोजित कार्यक्रम में रचना परमार को सम्मानित करने पहुंचे थे। गीता-बबीता फोगाट बहनों से प्रेरणा ले कुश्ती

के दंगल में उतकर रचना परमार अब तक अनेकों मेडल अपने नाम कर चुकी है। रचना के पिता सरपंच प्रतिनिधि अजीत नंबरदार और माता सरपंच क्षमा देवी ने कहा कि रचना ने अपनी कड़ी मेहनत के बूते कुश्ती के दंगल में प्रतिभा दिखाते हुए पूरे विश्व में नाम रोशन किया है। इसके लिए उनको जमीन बेचनी पड़े तो बेच देंगे। वहीं गोल्ड विजेता रचना परमार ने कहा कि करीब 8 साल पहले वह अपने भाई के साथ अखाड़ा में गई थी और खेल शुरू किया। इस दौरान कोच ने उनकी प्रतिभा निखारी और कड़ी मेहनत के बूते वे इस मुकाम पर पहुंची हैं। रचना डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष ब्रज भूषण शरण को प्रेरणास्त्रोत मानती हैं। ब्रजभूषण शरण पर लगे आरोपों को लेकर कहा कि ब्रजभूषण शरण ने कुश्ती को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई तो देश को अनेकों मेडल मिले हैं। यहीं कारण है कि वे खुद आज वर्ल्ड चैंपियनशीप में गोल्ड तक का सफर कर पाई है और अब भविष्य में 2028 को ओलंपिक में खेलना और देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना ही उसका लक्ष्य है।

एक कप चाय बन गई मौत की वजह, युवकों को वाहन ने कुचला, 2 की मौत

करनाल : राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर रविवार देर रात 3:30 बजे चार युवकों को किसी वाहन ने कुचल दिया। गांव झंझाड़ी के पास हुए इस हादसे में हिमाचल प्रदेश के पोंटा साहिब निवासी नरेंद्र (22) और विवेक (22) की मौत हो गई। सिरमौर जिला निवासी रोहित (25) और रोहतक निवासी रविंद्र (24) गंभीर रूप से घायल हैं। होटल हवेली में काम करने वाले पांच युवक रात को चाय पीने और मच्छर मारने की अगरबत्ती लेने के लिए निकले थे। जांच अधिकारी विजय कुमार ने बताया कि सुधांशु की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। सुधांशु ने बताया कि सड़क पार करते समय हादसा हुआ था। वे रात को 12 बजे अपनी शिफ्ट खत्म करने के बाद झंझाड़ी गांव में कमरे पर लौटे थे। यहां मच्छर ज्यादा होने के कारण सो नहीं पाए। सभी ने चाय पीने जाने का प्लान बनाया। मच्छर मारने की अगरबत्ती भी लेकर आनी थी। हाईवे पर वाहन ने टक्कर मार दी। सभी करीब करीब दो माह पहले ही हवेली में काम पर लगे थे।

डिजिटल पुलिसिंग में हरियाणा का दबदबा, पिछले 20 महीने में 17वीं बार नंबर वन

चंडीगढ़। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा जारी क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) की मासिक रैंकिंग में हरियाणा पुलिस ने एक बार फिर अपना परचम लहराते हुए पिछले 20 माह में 17वीं बार देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। अगस्त और सितंबर 2024 में जहां हरियाणा ने 99.99 प्रतिशत अंक लेकर देशभर में तीसरा स्थान प्राप्त किया था, वहीं अन्य महीनों में हरियाणा पुलिस ने शत-प्रतिशत अंक हासिल कर पहला स्थान बनाए रखा। इस उपलब्धि पर पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने सीसीटीएनएस की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता हरियाणा पुलिस की नई सोच, बेहतर कार्यप्रणाली और आधुनिक तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल का परिणाम है। आज प्रदेश के सभी थानों को सीसीटीएनएस से जोड़ा जा चुका है और प्रथम सूचना रिपोर्ट, गैर संज्ञेय रिपोर्ट, मेडिको लीगल केस, गुमशुदा व्यक्ति, खोई हुई संपत्ति, लावारिस वस्तुएं, अज्ञात शव, विदेशी पंजीकरण, निवारक कार्यवाही,

अनुसंधान, शिकायतें और प्रगति रिपोर्ट जैसे सभी कार्य डिजिटल रूप में दर्ज और मॉनिटर किए जा रहे हैं। नेशनल आटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (नेफिस) से अपराधियों की पहचान और मामलों को सुलझाने में सफलता मिल रही है। वर्ष 2022 से लेकर अब तक नेफिस सॉफ्टवेयर पर लाखों फिंगरप्रिंट का डेटा अपलोड किया गया और गिरफ्तार अभियुक्तों तथा अज्ञात शवों के रिकॉर्ड से उसका मिलान किया गया। इस प्रक्रिया में काफी संख्या में फिंगरप्रिंट का आपराधिक रिकॉर्ड से सफल मिलान हुआ। वारदात स्थलों से जुटाए गए चांस प्रिंट को नेफिस पर सफलतापूर्वक अपलोड और वेरीफाई किया गया। इस तकनीकी सफलता के परिणामस्वरूप 93 गंभीर आपराधिक मामलों को सुलझाया गया, जिनमें 22 हत्या के मामले भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त नेफिस प्रणाली के माध्यम से 29 अज्ञात शवों की पहचान संभव हुई। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि यह उपलब्धि हरियाणा पुलिस द्वारा काम में प्रोफेशनल दृष्टिकोण अपनाने व तकनीक के बढ़िया इस्तेमाल की वजह से मिली है। सीसीटीएनएस और नेफिस जैसे डिजिटल प्लेटफार्म ने अपराधियों की पहचान, जांच की पारदर्शिता और जनता को समयबद्ध न्याय दिलाने की प्रक्रिया को नई गति दी है। इसी समर्पण और टीमवर्क के बल पर हरियाणा पुलिस आने वाले समय में देशभर में आधुनिक और स्मार्ट पुलिसिंग का मानक स्थापित करती रहेगी। राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के निदेशक शिवास कबिराज ने बताया कि सीसीटीएनएस का मूल उद्देश्य अपराध की जांच, अपराधियों की धरपकड़ और केस मैनेजमेंट के लिए एक ऐसी एकीकृत प्रणाली विकसित करना है, जो पूरी तरह डिजिटल हो। विगत दो वर्षो में एससीआरबी में तकनीकी दक्षता बढ़ाने और प्रक्रियाओं को अधिक बेहतर बनाने के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं। इन प्रयासों का परिणाम है कि पिछले 20 माह में 17वीं बार हरियाणा पुलिस ने देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है।

किसान से 9 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार हुआ पटवारी, ACB की टीम ने की कार्रवाई

रेवाड़ी। बावल में कार्यरत एक पटवारी को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने नौ हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपित पटवारी शमशेर ने गांव बालावास के रहने वाले किसान से इंतकाल में नाम बदल वाने की एवज में नौ हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। इसके बाद मंगलवार दोपहर बाद एसीबी की टीम ने बावल मिनी सचिवालय स्थित पटवारी के दफ्तर में छापा मारकर पटवारी को गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, बालावास गांव के एक किसान की जमीन के इंतकाल में चढ़े नाम में त्रुटियां थी। किसान नाम बदलवाने के लिए पटवारी शमशेर के पास पहुंचा। पहले तो पटवारी उसे टरकाता रहा उसके बाद पटवारी ने नाम ठीक करने की एवज में नौ हजार रुपये की रिश्वत मांगी। किसान ने इसकी सूचना रेवाड़ी स्थित एंटी करप्शन ब्यूरो को दे दी। किसान ने पटवारी से रिश्वत की रकम देने के लिए टाइम मांगी। पटवारी ने मंगलवार दोपहर बाद किसान को बावल स्थित मिनी सचिवालय के कमरा नंबर 351 में बुला लिया। पटवारी शमशेर ने जैसे ही किसान से रिश्वत की रकम ली, तुरंत एसीबी ने छापा मार दिया और पटवारी को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया।

चुनावी रंजिश के चलते हरियाणा में पूर्व सीएम के भतीजे पर हमला

डंडों से गाड़ी पर किया अटैक

फतेहाबाद : सोमवार देर रात पूर्व सीएम स्वर्गीय भजनलाल के भतीजे और फतेहाबाद के पूर्व विधायक दुडाराम के भाई उग्रसेन की गाड़ी पर अज्ञात हमलावरों ने हमला कर दिया। हमले के पीछे चुनावी रंजिश बताई जा रही है। गांव झलनिया-एमपी रोही रोड पर स्थित बोलू वाली डिग्गी के पास सोमवार देर रात पूर्व सीएम स्वर्गीय भजनलाल के भतीजे और फतेहाबाद के पूर्व विधायक दुडाराम के भाई उग्रसेन की गाड़ी पर अज्ञात हमलावरों ने हमला कर दिया। हमले के पीछे चुनावी रंजिश बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की है। मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सीआईए की तीन टीमें जांच में जुटी हैं। बताया जा रहा है कि उग्रसेन और उनके ड्राइवर सुशील कुमार गाड़ी से गांव एमपी रोही से फतेहाबाद शहर की ओर आ रहे थे। उसी समय दो गाड़ियों में सवार होकर आए चार-पांच हमलावरों ने उग्रसेन की गाड़ी के आगे अपनी गाड़ी लगा दी। फिर डंडों से गाड़ी पर हमला कर दिया। गनीमत रही कि हमले में किसी को ज्यादा चोटें नहीं आईं। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पाकर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जानकारी ली।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025: 7187 रन, 21 शतक और 28 अर्धशतक, सीरीज में बने कई बड़े रिकॉर्ड्स

लंदन (एजेंसी)। भारत ने पांचवे और अंतिम टेस्ट में इंग्लैंड को 6 रन से हरा दिया। 374 रनो के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड 367 रनो पर आउट हो गई। जिससे पांच मैचो की सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई।

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज में कुल 7187 रन बने। जो टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा रन योग है। इस रिकॉर्ड में सबसे बड़ा रन योग 1993 की एशेज सीरीज के दौरान बनाए गए 7221 रनो का है।

इस सीरीज में 21 शतक लगे जो किसी भी टेस्ट सीरीज में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा शतक है। शतक बनाने वाले बल्लेबाजो में शुभमन गिल, जो रूट, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत, हैरी ब्रूक, बेन डकेट, जेमी स्मिथ, बेन स्टोक्स, यशस्वी जायसवाल, ओली पोप और वाशिंगटन सुंदर शामिल थे।

दोनो टीमो ने 14 बार 300 रनो का आंकड़ा पार किया, जिससे किसी भी टेस्ट सीरीज का नया रिकॉर्ड बना। भारत ने इनमें से आठ बार 300 रनो का आंकड़ा पार किया। जो किसी भी टीम द्वारा किसी एक सीरीज में बनाया गया संयुक्त रूप से सबसे बड़ा स्कोर है। जो ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनो के रिकॉर्ड की बराबरी करता है। किसी भी अन्य टीम ने एक सीरीज में छह से ज्यादा ऐसे स्कोर नही बनाए है।

भारत ने एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत 50+ स्कोर का नया रिकॉर्ड बनाया, जिसमें 28 ऐसे स्कोर शामिल है। इंग्लैंड ने 32 के साथ इसे थोड़ा बेहतर किया।

ओवल में भारत की छह रन की जीत टेस्ट इतिहास में उनकी सबसे कम अंतर से जीत भी थी। यह पहली बार था जब भारत ने घर से बाहर किसी सीरीज का पांचवा टेस्ट जीता। इसके साथ इंग्लैंड ने 2018 के बाद से भारत के खिलाफ कोई टेस्ट सीरीज नही जीती है।

मैच मैदान पर जीते जाते है, कागजों पर नहीं: भारत की ऐतिहासिक जीत पर बोले मोहम्मद कैफ

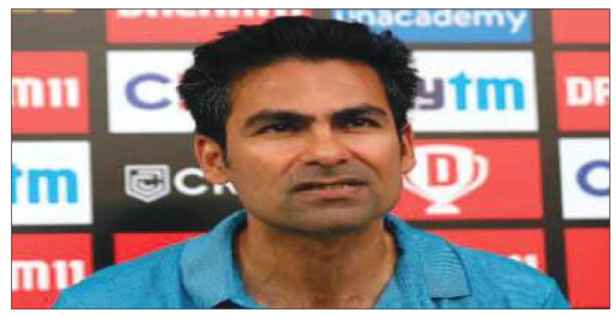

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट में जीत के लिए शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम की जमकर तारीफ की। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज 2-2 से बराबर कर ली, जिसके बाद ट्रॉफी दोनो टीमो के बीच साझा हो गई।

ओवल में भारत के लिए यह एक शानदार जीत थी, क्योंकि चौथे दिन वे मैच में पिछे नजर आ रहे थे। आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रनो की ज़रूरत थी और उसके चार विकेट बाकी थे। इसलिए, यह कहना गलत नही होगा कि वे मैच जीतने के प्रबल दावेदार थे। हालांकि, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की शानदार गेंदबाजी के कारण मेजबान टीम 374 रनो के लक्ष्य से चूक गई और 367 रनो पर ढेर हो गई।

इस पर कैफ ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'सबसे पहले, मुझे नही लगता कि ज्यादा लोगो ने इस भारतीय टीम को मौका दिया था। वे विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बिना इंग्लैंड गए थे। शुभमन गिल नए कप्तान थे, और इस पर भी सवाल उठे थे। कुछ विशेषज्ञो ने 3-1 या 4-1 से हार की भविष्यवाणी की थी। लेकिन इस भारतीय टीम ने दिखा दिया कि मैच मैदान पर जीते जाते है, कागजो पर नही।' ओवल में जीत से भारत को डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में भारी लाभ हुआ और वह 46.67 पीसीटी के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया, जो इंग्लैंड से बेहतर है, जो 43.33 पीसीटी के साथ चौथे स्थान पर है।

जस्सी भाई की कमी खली, अगर वह होते तो यह खास होता: पांचवें टेस्ट में जीत पर बोले सिराज

लंदन (एजेंसी)। यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं और हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में अपने सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी।

सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में भावुक सिराज ने कहा, 'हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है क्योंकि अगर वह वहां होते तो यह खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है।'

बुमराह ने अपने कार्यभार प्रबंधन के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रुक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नज़र आए। सोमवार को सुबह के सत्र में उन्होंने जो भी गेंद फेंकी, उसने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया।

उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो, इस समय (जीत के बाद) जो भावनाएं मेरे अंदर हैं, मैं उन्हें शब्दों में बयां नहीं कर सकता, क्योंकि कल (रविवार को) मैंने कैच छोड़ दिया था। जब मैं (चौथे दिन के बाद) सोने जा रहा था, तो मैं बस यही सोच रहा था कि मैंने ऐसा कैसे कर दिया।'

सिराज ने कहा, 'अगर मैंने वह कैच ले लिया होता, तो हमें सोमवार को मैदान पर आकर खेलने की जरूरत नहीं पड़ती। हम आराम कर रहे होते। लेकिन ऊपर वाले ने हमारे लिए कुछ और ही सोच रखा था। वह हमें सोमवार को स्टेडियम तक ले आया और नतीजा सबके सामने है।'

वर्कलोड मैनेजमेंट जैसे शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटायें गंभीर : गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर प्रमुख खिलाड़ियों को टीम से बाहर रहना ठीक नहीं है। गावस्कर ने कहा कि पहले भी खिलाड़ियों को आराम दिया जाता था पर तब कम कम महत्वपूर्ण और औपचारिकता मुकाबलों में ऐसा किया जाता था। इससे प्रमुख खिलाड़ियों को आराम भी मिल जाता था और टीम को नुकसान भी नहीं होता था। इसके साथ ही नए खिलाड़ियों को भी अवसर मिल जाता था। साथ ही कहा कि तब वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर महत्वपूर्ण मुकाबलों से स्टार खिलाड़ी दूर नहीं होते थे। इसके साथ ही गावस्कर ने कहा कि कोच गंभीर वर्कलोड मैनेजमेंट जैसे शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटा दें।

गावस्कर ने वर्कलोड मैनेजमेंट के विचार को खारिज करते हुए कहा , 'लोग वर्कलोड की बात कर रहे, अगर इसके आगे आप झुक जाते हैं तो आप मैदान में कभी अपना बेस्ट प्लेयर नहीं ला पाएंगे।' गावस्कर ने कहा, 'आप देश के लिए खेल रहे हो, और जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हैं तो आपको अपनी मांसपेशियों में दर्द को भूलना होगा। सरहद पर यही होता है।' उन्होंने कहा, क्या आपको लगता है कि जवान कभी ठंडी या गरम हालात की शिकायत करते हैं? वे वहां पर तैनात हैं, देश के लिए अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। आपको देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना ही होगा।

ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज का उदाहरण देते हुए गावस्कर ने कहा, छोटे-मोटे दर्द को लेकर चिंता मत करो। ऋषभ ने जो किया, वो क्या दिखाता है? वह फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरा। अपनी टीम में आप इसी तरह की भावना देखना चाहते हो। यही अपेक्षा की जाती है। छोटी-मोटी चोट से पीछे मत हटो। 140 करोड़ लोगों में से आपको भारत का प्रतिनिधित्व करने को मिला है, यह एक सम्मान है। आप अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली है और इसलिए आपको इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। वहीं सिराज ने 5 टेस्ट मैचों में लगातार गेंदबाजी की है। गावस्कर ने कहा, मुझे उम्मीद है कि वर्कलोड भारतीय क्रिकेट की डिक्शनरी से बाहर होगा। मैं लंबे समय से यह बात कहता आया हूं। साथ ही कहा कि वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर उनके बयान को जसप्रीत बुमराह से

नहीं जोड़ा जाना चाहिये क्योंकि बुमराह चोट की वजह से बाहर थे, न कि वर्कलोड की वजह से। इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैच की सीरीज में जसप्रीत बुमराह ने सिर्फ 3 ही मुकाबले खेले थे। इनमें से दो में भारत को हार मिली थी और एक मुकाबला ड्रॉ हुआ था। भारतीय टीम ने अंतिम टेस्ट जीतकर पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर की है।

हमारी टीम ने हर चुनौती का पूरी ताकत से मुकाबला किया : ऋषभ

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टेस्ट में भारतीय टीम को मिली जीत से आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बेहद उत्साहित हैं। इस सीरीज को भारतीय टीम ने 2-2 से बराबर करने में सफलता हासिल की है। ऋषभ को चौथे टेस्ट में चोटिल होने के कारण सीरीज के बीच में ही वापस लौटना पड़ा था। उन्होंने कहा है कि ये टीम एकजुट है और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए तैयार है। इस दौरे से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। ऋषभ ने सोशल मीडिया में कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'एक ऐसा दौरा जिसने हमसे बहुत कुछ मांगा और बदले में उससे भी ज्यादा दिया। मुझे गर्व है कि हमारी टीम ने हर चुनौती का पूरी ताकत से मुकाबला किया। इस दौरान टीम ने अपने को हालातों के अनुसार ढाला और लगातार टीम लड़ती रही। देश का प्रतिनिधित्व करना हमारे लिए सबये जरुरी है, इसके लिए हम अपनी पूरी ताकत लगा देते हैं और इसी में हमें गर्व भी है। हमारे शानदार सहायोगी स्टाफ और उन सभी प्रशंसकों का बड़ा धन्यवाद, जिन्होंने पूरे समय हमारा साथ दिया। यह टीम भूखी है, एकजुट है और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए तैयार है।' इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी चोट की एक तस्वीर भी साझा की है। इसमें उनके दाहिने पैर की छोटी उंगली के पास कुछ टेपिंग है और उंगली पर पट्टी बंधी हुई है। इसी उंगली के पास फ्रैक्चर हुआ था और ऋषभ इसके बावजूद बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। इस दौरान उनके साहस की सभी ने प्रशंसा की थी। ऋषभ ने इस दौरे पर चार मैचों की सात पारियों में 2 शतक और 3 अर्धशतक के साथ ही कुल 479 रन बनाए थे।

टिम डेविड पर लगा जुर्माना, वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 में किया आचार संहिता का उल्लंघन

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टिम डेविड पर 28 जुलाई को सेंट किट्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। डेविड को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जो 卐किसी अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने卐 से संबंधित है। इसके अलावा, डेविड के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था। यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के पांचवें ओवर में हुई, जब अल्जारी जोसेफ ने डेविड को लेग साइड में एक गेंद फेंकी, जिसे वाइड नहीं दिया गया।

डेविड ने अपनी बाहें फैलाकर और गेंद को वाइड करार देने का इशारा करके अपनी असहमति जताई और फिर अपनी बाहें फैलाए हुए ही अंपायर की ओर चल पड़े। डेविड ने अपराध स्वीकार कर लिया और एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के रॉन किंग द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर जाहिद बसाराथ और लेस्ली रीफर, तीसरे अंपायर डेइटन बटलर और चौथे अंपायर ग्रेगरी ब्रैथवेट ने आरोप लगाए। लेवल 1 के उल्लंघन के लिए न्यूनतम दंड आधिकारिक फटकार, अधिकतम दंड खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत, और एक या दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं।

एशिया कप 2025 से पहले फिट हुए सूर्याकुमार यादव, एनसीए ट्रेनिंग में लिया हिस्सा

बेंगलुरु। टी20 इंटरनेशनल कप्तान सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में जर्मनी के म्यूनिख शहर में स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी करवाई और अब वह अपनी रिकवरी के दूसरे पड़ाव पर पहुंच गए हैं। उनके रिहैब से लेकर नेट ट्रेनिंग तक का सफर शुरू हो चुका है। बता दें कि, जून 2025 में सूर्या की जर्मनी में सर्जरी हुई जो पूरी तरह से सफल रही।

दरअसल, अगस्त 2025 की शुरुआत में बेंगलोर स्थित एनसीए में सूर्यकुमार यादव ने नेट ट्रेनिंग शुरू कर दी। ये उनकी सर्जरी के बाद पहली क्रिकेट प्रैक्टिस थी। ये ट्रेनिंग बहुत हल्की थी और मेडिकल टीम की निगरानी में थी। बीसीसीआई ने ये पुष्टि की कि, सूर्या अपने फिटनेस स्तर को धीरे-धीरे फिर से हासिल कर रहे हैं और वह एशिया कप कप 2025 के लिए पूरी तरह तैयार होने की राह पर चल रहे हैं। बता दें कि, एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होनी है। आईपीएल 2025 में सूर्या बेहतरीन फॉर्म में थे और उन्होंने 717 रन बनाए थे जो साई सुदर्शन के बाद किसी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन थे। वह सचिन तेंदुलकर के बाद एक ही सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाने वाले मुंबई इंडियंस के दूसरे बल्लेबाज भी बने थे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में फखर के बिना ही उतरेगी पाक टीम

फ्लोरिडा (एजेंसी)। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज फखर जमान वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ अगस्त से शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में नहीं खेलेंगे। फखर दूसरे टी20 मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह तीसरे टी20 में भी शामिल नहीं थे। अब फखर लाहौर स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसए) में रिहैब के दौर से गुजरेंगे। इस दौरान पीसीबी का मेडिकल स्टाफ उनका ध्यान रखेगा। पीसीबी ने अभी तब एकदिवसीय सीरीज के लिए उनकी जगह किसी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया है।

फखर इस साल दूसरी बार किसी टूर्नामेंट से बाहर हुए हैं। इससे पहले 19 फरवरी को कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ओवर में क्षेत्ररक्षण करते समय भी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उन्हें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बचे हुए मैचों से बाहर कर दिया गया था। उन्हें उस समय ये चोट तब लगी जब न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज विल यंग ने शाहीन अफरीदी की एक गेंद को कवर्स की तरफ खेला था। जिससे वह रोकने का प्रयास कर रहे थे। इस कारण उन्हें तीन माह तक खेल से दूर रहना पड़ा था।

एकदिवसीय सीरीज का पहला मैच 8 अगस्त को खेला जाएगा जबकि दूसरा 10 अगस्त और सीरीज आखिरी और तीसरी एकदिवसीय मैच 12 अगस्त को खेला जाएगा ! ये तीनों ही मैच ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, तारूबा, त्रिनिदाद में खेले जाएंगेद्य।

पाकिस्तान टीम = सैम अयूब, साहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस (विकेट कीपर), सलमान आगा (कप्तान), हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, हसन अली, शाहीन अफरीदी, सूफियान मुकीम, हारिस रऊफ, खुशदिल शाह, अबरार अहमद, हुसैन तलत।

नोवाक जोकोविच ने छोड़ा सिनसिनाटी ओपन, यूएस ओपन पर करना चाहतें हैं फोकस

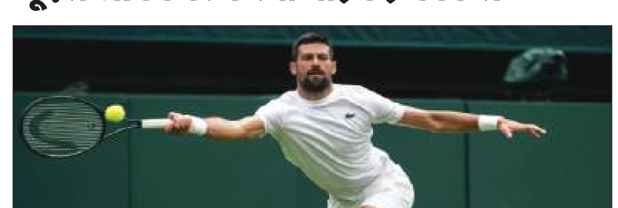

सिनसिनाटी । 24 ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता और दुनिया के छठे नंबर के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने इसकी पुष्टि की है। दरअसल, 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने गैर-चिकित्सीय कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट में न खेलने का फैसला किया है। इससे पहले उन्होंने पीठ की तकलीफ के कारण कैनेडियन मास्टर्स से भी अपना नाम वापस ले लिया था। ये लगातार दूसरा मौका है जब जोकोविच एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट से हटे हैं। उनके नाम इस स्तर पर 45-12 का प्रभावशाली जीत-हार रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 2023 के फाइनल में कार्लोस अल्काराज को हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी सबसे यादगार जीत दर्ज की थी। वह मुकाबला तीन सेटो में खेला गया था। इस सीजन में नोवाक जोकोविच का प्रदर्शन 26 जीत और 9 हार का रहा है। उन्होंने मई 2025 में जिनेवा में अपना 100वां टूर-स्तरीय खिताब जीता था। उस जीत के बाद से वह केवल दो टूर्नामेंट खेले हैं फ्रेंच ओपन और विंबडलन, जहां दोनों बार उन्हें जैनिक सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में हार झेलनी पड़ी। अब उनके सामने यूएस ओपन 2025 है, जो 24 अगस्त से शुरू हो रहा है। वहां उनका लक्ष्य होगा अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर महिला और पुरुष सिंगल्स दोनों को मिलाकर सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी करना। वह महिला वर्ग की दिग्गज मार्गरेट कोर्ट के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं।

इंग्लैंड की टीम घबरा गई, आखिरी दिन उनका रवैया गलत था: माइकल वॉन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के आखिरी दिन इंग्लिश टीम के रवैये की आलोचना की है। सोमवार को 'केनिंग्टन ओवल' में मेजबान टीम को छह रन के करीबी अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। माइकल वॉन ने सुबह के सत्र में इंग्लैंड के जोखिम भरे रवैये की आलोचना की। इंग्लैंड को मुकाबले के अंतिम दिन जीत के लिए महज 35 रन की दरकार थी। इंग्लैंड के पास चार विकेट शेष थे। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की शानदार गेंदबाजी के चलते भारत ने मुकाबला अपने नाम करते हुए सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की। वॉन ने 'द टेलीग्राफ' के लिए अपने कॉलम में लिखा, 'मैं उस टीम (इंग्लैंड) पर बहुत सख्ती नहीं करना चाहता, जिसे इस हफ्ते बदकिस्मती का सामना करना पड़ा। वह शायद अपने सबसे महत्वपूर्ण क्रिकेटर के बिना मैदान में उतरे, और फिर पहले दिन एक प्रमुख गेंदबाज को खो दिया। इंग्लैंड को प्रभावी रूप से 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए छह रन से शिकस्त झेलनी पड़ी। इसलिए मैं बहुत आलोचना नहीं करना चाहता।'

उन्होंने लिखा, 'लेकिन सच बात यह है कि इंग्लिश टीम घबरा गई थी। जैसे-जैसे वह जीत के करीब पहुंचते गए, उन्होंने ज्यादा जोखिम उठाने की कोशिश की। आखिरी दिन उनका तरीका गलत था। यह बहुत जोखिम भरा था। अगर इसमें 15 ओवर लगते हैं, तो लगे। आपको पांच ओवर में 35 रन बनाने की जरूरत नहीं है। बस एक स्थिर दिमाग की जरूरत थी।' पूर्व कप्तान ने लिखा, 'अगर भारत इस तरह हारता, तो हम कहते कि उन्होंने हार मान ली। अगर दक्षिण अफ्रीका इस तरह हारता, तो हम कहते कि उन्होंने हार मान ली। यह इतनी भारी चूक थी। यह हार इंग्लैंड को सचमुच बहुत नुकसान पहुंचाएगी। जब आप जानते हों कि आपको मैच जीतना है, तो हार बहुत निराशाजनक होती है।' बता दें कि इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रन का टारगेट मिला था, जिसके जवाब मे इंग्लैंड की टीम 367 रन पर सिमट गई। सिराज ने 104 रन देकर 5 विकेट चटकाए, जबकि कृष्णा ने चार विकेट लेकर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई। इंग्लैंड को हैरी ब्रुक (111) और जो रूट (105) के शतकों ने सहारा दिया, लेकिन अंत में यह नाकाफी साबित हुआ।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई

टोरंटो। शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एलेक्सी पोपिरिन को 6-7(8), 6-4, 6-3 से हराकर नेशनल बैंक ओपन (कैनेडियन ओपन) के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अपने 75वें टूर-स्तरीय सेमीफाइनल में, ज्वेरेव नोवाक जोकोविच (196) के साथ उस मुकाम तक पहुंचने वाले केवल दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं।

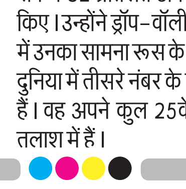

ज्वेरेव पिछले साल के रोलेक्स पेरिस मास्टर्स सेमीफाइनल के बाद पहली बार किसी सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ज्वेरेव रॉडिक से आगे बढ़कर सीरीज के इतिहास में (1990 के बाद से) सबसे ज्यादा बार सेमीफाइनल (सातवीं बार) में पहुंचने वाले खिलाड़ी बने। शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दोनों खिलाड़ियों के पास मिनीब्रेक लीड और सेट पॉइंट थे, लेकिन एक अच्छे नेटकॉर्ड ने शुरुआती फ्रेम पोपिरिन को दे दिया। ज्वेरेव ने मैच का पहला ब्रेक हासिल किया और दूसरे फ्रेम में 3-0 की बढ़त बना ली और बाकी समय बढ़त बनाए रखी। गत चैंपियन ने दूसरे फ्रेम में वापसी की, लेकिन ब्रेक के कारण मैच निर्णायक गेम में पहुंच गया, जहां ज्वेरेव ने फिर से 3-0 की बढ़त बना ली, जिसे उन्होंने नहीं छोड़ा। ज्वेरेव ने अपने पहले सर्व में 82 प्रतिशत अंक जीते और अपने अंतिम 17 में से 16 अंक सर्व पर हासिल किए। उन्होंने ड्रॉप-वॉली विनर के साथ मैच का शानदार समापन किया। सेमीफाइनल में उनका सामना रूस के कारेन खाचानोव या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा। दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव 75वीं बार एटीपी टूर के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। वह अपने कुल 25वें और एटीपी 1000 मास्टर्स टूर्नामेंट में आठवें खिताब की तलाश में हैं।

ओलंपिक पदक ने मेरी जिंदगी बदल दी, लेकिन मैं इसे भूल चुका हूं: पहलवान अमन सहरावत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने से अमन सहरावत के कंधों से काफी बोझ उतर गया है लेकिन इस युवा पहलवान का कहना है कि वह इस उपलब्धि को पहले ही भूल चुके हैं क्योंकि अतीत की उपलब्धियों पर बैठे रहने से वह अपने बड़े सपनों को पूरा नहीं कर पाएंगे।

छोटी सी उम्र में अनाथ हो जाने के कारण बिरोहर में जन्मे इस पहलवान के लिए जिंदगी आसान नहीं रही। उनके चाचा ने उनका पूरा साथ दिया, लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियां अमन पर भारी पड़ती रहीं। लेकिन पिछले वर्ष पेरिस में कांस्य पदक जीतने से उन्हें पहचान और पैसा मिला, जिससे उनका जीवन आसान हो गया।

विश्व चैंपियनशिप के लिए 57 किग्रा चयन ट्रायल जीतने के बाद अमन ने पीटीआई से कहा, ''ओलंपिक पदक ने मेरी जिंदगी 90 फीसदी बदल दी। इससे पहले मुझे कोई नहीं जानता था। पहले मेरे प्रदर्शन पर गौर नहीं किया जाता था, लेकिन पेरिस की सफलता के बाद लोग मुझे जानने लगे, मेरा सम्मान करने लगे। मुझे लगा कि मैंने देश के लिए कुछ किया है और 10-15 साल की कड़ी मेहनत रंग लाई है।''

उन्होंने कहा, ''ओलंपिक पदक भगवान का आशीर्वाद है। मुझे जीतने की उम्मीद भी नहीं थी। महिला पहलवानों से तो उम्मीदें ज़्यादा थीं। ये तो भगवान का दिया प्रसाद ही है।'' अमन ने कहा, ''इससे मुझे भी प्रेरणा मिली। लोग अब मुझसे स्वर्ण पदक की उम्मीद कर रहे हैं। मैं अपने कांस्य पदक को पहले ही भूल चुका हूं। मैं इससे संतुष्ट होकर यह नहीं कह सकता कि मैंने काफी कुछ हासिल कर लिया है। अब मैं स्वर्ण पदक के लिए तैयारी कर रहा हूं।''

शीर्ष स्तर पर सफलता ने किस प्रकार उनके जीवन को बदल दिया, इस बारे में उन्होंने कहा, ''अब मैं जो चाहूं खरीद सकता हूं। पहले मुझ पर दबाव था कि भविष्य में मुझे अपनी छोटी बहन को पढ़ाना है और उसकी शादी करनी है। अब मैं निश्चिंत होकर अभ्यास कर सकता हूं। अब मुझे पैसों की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है।''

अमन ने कहा, ''ऐसा नहीं है कि हमारा ध्यान नहीं रखा गया। मेरे चाचा ने हमेशा हमारा साथ दिया है, लेकिन एक बड़े भाई की जिम्मेदारी क्या होती है इसके बारे में तो सभी सोचते हैं।'' पेरिस ओलंपिक के बाद से अमन ने सिर्फ दो टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया है। वह सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाए थे। उन्होंने कहा, ''ओलंपिक के बाद, मैंने सोचा था कि मैं विदेश में अभ्यास करूंगा लेकिन चीजें हमेशा वैसी नहीं होतीं जैसी आप उम्मीद करते हैं। फिर मैं चोटिल भी हो गया।''

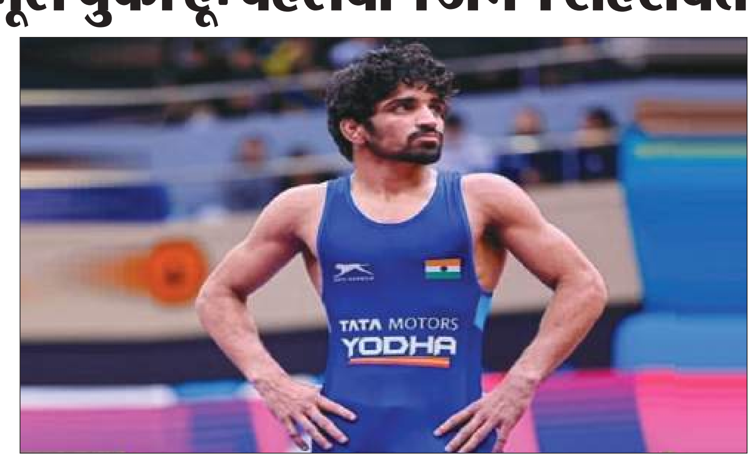

अमन ने कहा, ''ओलंपिक पदक जीतने के बाद हारने का डर भी मुझ पर हावी हो गया था। मैंने सोचा अगर मैं हार गया तो लोग कहेंगे कि सफलता ने मुझे बिगाड़ दिया है। इसलिए, कोचों ने कहा कि आप एक अलग स्तर पर हैं और मैट पर उतरने के लिए आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज होने पर खुशी से झूमीं मृणाल ठाकुर

बोलीं- इससे बेहतर जन्मदिन का तोहफा नहीं

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन और मृणाल ठाकुर की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस खास मौके पर अभिनेत्री ने एक पोस्ट के जरिए बताया है कि उनके लिए ये जन्मदिन का सबसे खास तोहफा था। मृणाल अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं।

मृणाल ठाकुर ने किया पोस्ट

एक्ट्रेस के लिए ये दिन खास रहा क्योंकि फिल्म की रिलीज ठीक उनके जन्मदिन पर हुई। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं शेयर करते हुए लिखा कि इससे बेहतर तोहफा उन्हें नहीं मिल सकता था। फिल्म की स्क्रीनिंग पर उनके करीबी दोस्त, परिवार और टीम मेंबर्स मौजूद थे। सभी ने मिलकर इस दिन को यादगार बना दिया। एक्ट्रेस ने दर्शकों और टीम का आभार जताते हुए कहा कि ये जर्नी उनके लिए हमेशा खास रहेगी।

मृणाल ने पोस्ट में क्या लिखा?

एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में लिखा- मैं अपने जन्मदिन की शुरुआत इससे बेहतर तरीके से नहीं कर सकती थी। सन ऑफ सरदार 2 आखिरकार रिलीज हो गई है और इस खास मौके पर मेरे सभी अपने मेरे साथ थे। ये पल मेरे दिल के बहुत करीब रहेगा- हमेशा। ये फिल्म पागलपन, जादू और बेहद शानदार, प्यारी और टैलेंटेड टीम से भरी हुई है। और अब राबिया दुनिया के सामने है- मुझे उम्मीद है कि आप उसे उतना ही प्यार देंगे जितना मैंने किया और अपने दिलों में उसके लिए थोड़ी सी जगह भी बना पाएंगे। हर उस इंसान का तहे दिल से शुक्रिया, जो इस छोटी-सी यात्रा का हिस्सा बना।

सन ऑफ सरदार 2 में अजय देवगन एक बार फिर जस्सी रंधावा के किरदार में अपने देसी अंदाज और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के साथ लौटे हैं। उनके साथ मृणाल ठाकुर राबिया की भूमिका में नजर आईं।नीरू बाजवा डिंपल के रोल में और रवि किशन राजा के किरदार में दमदार नजर आए। फिल्म की सपोर्टिंग स्टारकास्ट में दीपक डोबरियाल (गुल), चंकी पांडे (दानिश), कुब्रा सैत (महविश), संजय मिश्रा (बंटू पांडे), अश्विनी कालसेकर (प्रेमलता), डॉली अहलूवालिया (बेबे), मुकुल देव (टोनी), विंदू दारा सिंह (टीटू), साहिल मेहता (गोग्गी), रोशनी वालिया (सबा) और शरत सक्सेना (रंजीत सिंह) शामिल हैं।

परम सुंदरी के परदेसिया पर बोले सचिन-जिगर

संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर ने अपकमिंग फिल्म 'परम सुंदरी' के गाने 'परदेसिया' पर बात की और कहा कि उनका मकसद एक ऐसा गाना बनाना था जो टाइमलेस हो यानि समय की बाधा से मुक्त हो, जिससे हर वर्ग और पीढ़ी इसे दिल की गहराइयों से स्वीकार कर सके। परम सुंदरी के परदेसिया गाने को फिल्ममेकर्स ने 30 जुलाई को रिलीज कर दिया है। सचिन-जिगर ने एक संयुक्त बयान में कहा, 'परदेसिया' एक ऐसा गाना है जिसमें भावनाएं, आवाज और लेखन पूरी तरह एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। हम चाहते थे कि यह गाना ऐसा हो जो नया होने के बावजूद लोगों के दिलों में बरसों से बसा हुआ लगे।

उन्होंने बताया कि गायक सोनू निगम की आवाज और उनके जन्मदिन पर गाने का रिलीज होना एक खास संयोग था। उन्होंने बताया, सोनू जी की आवाज में एक दर्द के साथ गहराई भी है। कृष्णकली की आवाज ने गाने को और भी आकर्षण देने का काम किया है। तीनों आवाजों का मेल इस गाने को और भी खास बनाता है। उन्होंने गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य की तारीफ करते हुए कहा, उनके शब्द भावनाओं को खूबसूरती से पेश करते हैं। वह शब्दों को नहीं, भावनाओं को लिखते हैं। रोमांस सिनेमा में वापसी कर रहा है और 'परदेसिया' के जरिए हम प्यार के साथ स्लो डांस को फिर से लेकर आए हैं।

रामायण के लिए रणबीर कपूर ने छोड़ दी इस दिग्गज सिंगर की बायोपिक

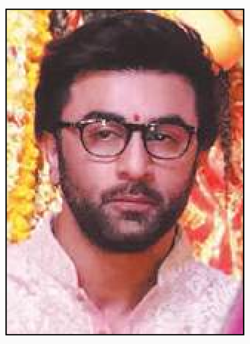

रणबीर कपूर इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण की तैयारियों में व्यस्त हैं। उन्हें जब यह फिल्म ऑफर हुई, उसी समय उनके पास दिवंगत सिंगर किशोर कुमार की बायोपिक का प्रस्ताव भी आया था। दोनों में से एक फिल्म को चुनना उनके लिए चुनौती थी। हालांकि, रणबीर ने किशोर कुमार की बायोपिक को छोड़कर रामायण साइन की। इसका खुलासा हाल ही में अनुराग बसु ने किया है।

मुश्किल था रणबीर के लिए यह फैसला

निर्देशक अनुराग बसु ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया कि रणबीर कपूर ने सिंगर की बायोपिक के बजाय रामायण को चुना। हालांकि, यह फैसला करना उनके लिए बहुत मुश्किल था। मगर, उन्होंने सही फैसला कर लिया। अनुराग बसु ने बातचीत के दौरान बताया कि शेड्यूल में टकराव के चलते रणबीर को दोनों प्रोजेक्ट्स यानी रामायण और किशोर कुमार की बायोपिक में से किसी एक को चुनना पड़ा। उन्होंने कहा, रणबीर के लिए यह जिंदगी में एक मुश्किल चुनाव था। किशोर कुमार की बायोपिक या रामायण। उनके लिए यह बहुत मुश्किल था। आखिरकार उन्होंने रामायण को चुना और मुझे लगता है कि यह सही फैसला था।

अनुराग बसु की इन फिल्मों में काम कर चुके हैं रणबीर

रणबीर कपूर और अनुराग बसु पहले भी कई बार साथ काम कर चुके हैं। इनमें बर्फी (2012) और जग्गा जासूस (2017) जैसी फिल्में शामिल हैं। हालांकि, दोनों ने फिर से साथ काम करने की इच्छा जताई। मगर, इस बार रणबीर कपूर के व्यस्त शेड्यूल के चलते ऐसा नहीं हो पाया। अनुराग बसु ने आगे कहा, हम साथ काम करने की कोशिश करते रहते हैं, लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है।

अभिषेक बच्चन की स्ट्रीमिंग में सफलता और स्मार्ट चुनाव

ऐसे इंडस्ट्री में जहाँ अटेन्शन क्षण भर के लिए होता है और डिजिटल दर्शकों को खुश करना बेहद कठिन माना जाता है, अभिषेक बच्चन उन गिने-चुने अभिनेताओं में से हैं जिन्होंने न केवल ओटीटी के दौर में खुद को बनाए रखा है, बल्कि इस माध्यम को बखूबी साधा भी है। हाल ही में विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर उनके एक से बढ़कर एक प्रभावशाली प्रदर्शन यह साबित कर रहे हैं कि आज की सफलता शोर मचाने में नहीं, बल्कि सही चुनाव करने में है। चाहे वह तीखी व्यंग्यात्मक फिल्म हो, भावनात्मक ड्रामा हो या फिर दिल को छू लेने वाली हल्की-फुल्की कहानी— अभिषेक ने ऐसी कहानियों के साथ तालमेल बिठाया है जो दिल को छूती हैं और ऐसे किरदार निभाए हैं जो सीमाओं को चुनौती देते हैं। उदाहरण के लिए, अमेज़ॅन प्राइम वीडियो की हिट फिल्म बी हैप्पी को ही ले लीजिए, जो रिलीज़ होते ही नंबर 1 पर ट्रेंड करने लगी। इस फिल्म की गर्मजोशी, हास्य और रिलैटेबिलिटी ने हर उम्र वर्गों के लोगों को प्रभावित किया, और कई लोगों ने इसे साल की सबसे सुकून देने वाली फिल्मों में से एक बताया। इससे पहले नेटफ्लिक्स पर आई वांट टू टॉक आई थी, जो न केवल स्ट्रीमिंग पर सफल रही, बल्कि हर जगह चर्चा का विषय बन गई, और अभिषेक को उनके बहुस्तरीय, संयमित अभिनय के लिए कई पुरस्कार मिले। शिक्षा व्यवस्था पर आधारित सामाजिक कॉमेडी दसवी नेटफ्लिक्स इंडिया के चार्ट में टॉप पर पहुँच गई और अपने तीखे संदेश और कॉमिक टाइमिंग के लिए जानी गई। वहीं कालीधार लापता ने उनकी डिजिटल जर्नी को एक और बेहतरीन और समीक्षकों द्वारा सराही गई भूमिका के साथ पूरा किया, जो दिखाता है कि वह किस तरह से सहजता से विभिन्न शैलियों और माध्यमों के बीच बदलाव करते हैं।

बॉलीवुड के बाद अब तेलुगु सीरीज में नजर आएंगी दिव्या दत्ता

मशहूर अभिनेत्री दिव्या दत्ता बॉलीवुड फिल्मों में अपनी अदाकारी से दर्शकों को दीवाना बनाने के बाद अब तेलुगु मनोरंजन जगत में भी जलवा बिखेरने को तैयार हैं। एक्ट्रेस मायासभा नाम के वेब सीरीज से तेलुगु इंडस्ट्री में कदम रख रही हैं, जिसका ट्रेलर भी गुरुवार को रिलीज कर दिया गया।

एक्ट्रेस ने शेयर किया पोस्ट

दिव्या दत्ता ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी तेलुगु वेब सीरीज मायासभा का ट्रेलर शेयर किया। इस ट्रेलर में एक्ट्रेस राजनेता के रूप में नजर आ रही हैं और उनकी प्रेजेंस ने सीरीज में जान डालने का काम किया है। इस ट्रेलर को शेयर करते हुए दिव्या दत्ता ने कैप्शन में लिखा, 'एक ऐसी कहानी, जिसने राज्य की किस्मत बदल दी।'

लंबे समय से तेलुगु सिनेमा में आना चाहती थीं एक्ट्रेस

बातचीत में दिव्या दत्ता ने कहा, 'पहली बार हमेशा खास होता है और मैं लंबे समय से तेलुगु सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती थी। बॉलीवुड और साउथ फिल्मों के बीच बढ़ते तालमेल के साथ मुझे इस शो के साथ शुरुआत करने पर गर्व है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी आगामी सीरीज बहुत ही शानदार होने वाली है। उन्होंने अपने निर्देशक और क्रू मेंबर्स का धन्यवाद किया है, जिनके कारण वह तेलुगु में डेब्यू कर रही हैं।

मजबूत महिला किरदार निभाना पसंद है

अभिनेत्री परिणीता बोरठाकुर जल्द ही जी टीवी के लोकप्रिय शो वसुधा में खास किरदार में नजर आएंगी। नई और प्रभावशाली भूमिका निभाने के लिए तैयार अभिनेत्री ने बताया कि शो में उनके किरदार का नाम चंद्रिका सिंह चौहान है, जो एक परिवार मुखिया का सशक्त और दमदार किरदार है।

परिणीता ने बताया कि किसी चल रहे शो में बीच में किसी किरदार को निभाना अपने आप में कई चुनौतियां लेकर आता है, लेकिन वह इसे एक बड़े अवसर के रूप में देखती हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि उन्हें मजबूत महिला किरदारों वाली कहानियां पसंद हैं।

परिणीता ने अपने किरदार के बारे में बताया, वासुधा जैसे शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत रोमांचक है। यह शो पहले से ही दर्शकों के बीच लोकप्रिय है और हाल ही में टीवी इंडस्ट्री के टॉप 10 शोज में शामिल हुआ है। बीच में किसी किरदार को अपनाना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन मैं इसे एक अवसर के रूप में देखती हूं, जिसके जरिए मैं एक ऐसी कहानी का हिस्सा बन सकती हूं, जो पहले से ही लाखों लोगों के दिलों को छू चुकी है। उन्होंने आगे कहा, मुझे हमेशा से गहरी भावनाओं और मजबूत महिला किरदारों वाली कहानियां पसंद रही हैं। चंद्रिका के किरदार के बारे में जानते ही मुझे उससे तुरंत जुड़ाव महसूस हुआ। वह एक ऐसी महिला है जो शांत, दमदार और दृढ़ विश्वास के साथ परिवार का नेतृत्व करती है। मैं इस किरदार में अपनी शैली लाने की कोशिश करूंगी, साथ ही उस मूल भावना को बनाए रखूंगी, जिसे दर्शकों ने पसंद किया है।

वसुधा की कहानी में करिश्मा और मेघा की साजिशों के बीच चंद्रिका एक स्थिर और मजबूत किरदार के रूप में उभरती है, जो अनुशासन और गरिमा के साथ परिवार को संभालती है।

परिणीता ने कहा, चंद्रिका का किरदार भावनात्मक मुश्किलों और सिद्धांतों से भरा है। इसे निभाना मेरे करियर का सबसे रचनात्मक अनुभव रहा है। मैं उम्मीद करती हूं कि दर्शक मेरे इस किरदार को अपनाएंगे। पहले इस किरदार को नौशीन अली सरदार ने निभाया था। निर्माता अरविंद बब्बल ने बताया, नौशीन ने चंद्रिका के किरदार को बहुत खूबसूरती और गरिमा के साथ निभाया। हम उनके योगदान के लिए आभारी हैं। अब परिणीता बोरठाकुर का स्वागत करते हुए हमें खुशी है। वह एक संवेदनशील और प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, जिन्होंने चंद्रिका के व्यक्तित्व को गहराई से समझा है।

सफलता बहुत से एक्टर्स को पैरालाइज कर देती है, यहां खुद को बचा लेना सबसे बड़ी उपलब्धि

गुलाल, चमेली, हासिल और अतरंगी रे जैसी दर्जनों फिल्में कर चुके एक्टर पंकज झा ने वेब सीरीज पंचायत के विधायक चंद्रकिशोर सिंह के रूप में अपनी एक्टिंग का सिक्का जमा दिया। इन दिनों वह अपनी नई वेब सीरीज सरपंच साहब के लिए चर्चा में हैं, जिसे लेकर हुई खास बातचीत के दौरान उनके व्यक्तित्व के कई अनछुए पहलुओं के बारे में रोचक खुलासे हुए।

साइडलाइन हो रहे हाइब्रिड एक्टर

अपनी जिंदगी को एक अलग ही दर्शन से जीने वाले पंकज झा पंचायत के विधायक चंद्रकिशोर सिंह के बाद वेब सीरीज सरपंच साहब में भी नेता त्रिवेणी सिंह की भूमिका में नजर आए। ऐसे में, कहीं इंडस्ट्री के आम चलन के मुताबिक, वह भी नेता के रोल में दोहराव या टाइप कास्टिंग के शिकार तो नहीं हो रहे? इस सवाल पर वह कहते हैं, नहीं, मेरे साथ ऐसा कुछ नहीं हो रहा है, क्योंकि मैं किसी इंडस्ट्री से बिलॉन्ग ही नहीं करता हूं। मेरी अपनी खुद की इंडस्ट्री है। मैं यह सब रंग अपने ऊपर नहीं चढ़ने देता हूं। मेरी अभी किताब आई है- अज्ञात से ज्ञात की ओर, जो मैंने अमिताभ बच्चन जी को गिफ्ट की। उन्होंने मेरी कविता ट्वीट भी की, तो लोग मुझे लेखक भी बोलते हैं।

मैं कोई आज का एक्टर तो हूं नहीं

पुणे में मेरा अपना स्टूडियो है। जहांगीर आर्ट गैलरी में मेरी चित्रों की प्रदर्शनी लगी तो लोग मुझे पेंटर भी बोलते हैं, ऐसे में मैं इस बात की क्या फिक्र करूंगा कि लोग मुझे नेता के रोल में देख रहे हैं। मैं कोई आज का एक्टर तो हूं नहीं। मेरी पूरी जर्नी है। मैं एनएसडी रेपेट्री में था। फिर मीरा नायर, राम गोपाल वर्मा वगैरह के साथ मैंने गुलाल, ब्लैक फ्राइडे, चमेली जैसी 50 से ऊपर फिल्में की हैं। मैंने अपने ऊपर काम किया है। ओशो की थेरेपी, ध्यान-मेडिटेशन में खुद को लगाया है।

मैं जब अभिनय करता हूं तो उस पात्र को जीता हूं

पंकज झा ने आगे बताया, एक्टिंग की बारीकियां, एक्टिंग क्या होता है, एनर्जी कैसे वर्क करती है? इन चीजों पर मैंने बहुत काम किया है। ओशो ने कहा था कि जीवन ऐसे जियो, जैसे अभिनय कर रहे हो और अभिनय ऐसे करो, जैसे जीवन जी रहे हो। मेरी यही फिलॉसफी है। मैं जब अभिनय करता हूं तो उस पात्र को जीता हूं, वही जिंदापन लोगों को छूता है, क्योंकि अब फेक, झूठी फिल्में, जिनका रिएलिटी से कोई वास्ता नहीं है, उसे लोग नहीं देख रहे हैं। इसलिए जो हाइब्रिड वाले एक्टर हैं, वो साइडलाइन हो रहे हैं। त्रिवेणी सिंह नेता है, मगर बहुत प्यार किरदार है, जो पूरे गांव को जागरूक करता है।

जिसके पास जितना वक्त, वो उतना धनी

पंकज अपनी जिंदगी का मकसद लोगों को अपने अर्जित ज्ञान को लौटाना मानते हैं। बकौल पंकज झा, मेरे गुरु ने कहा था कि उनका ऋण आप एक ही शर्त पर चुका सकते हैं कि गुरु से जो भी मिला है वो दुनिया को बांट दो। इसलिए, मैं अपने शब्दों, अपनी लेखनी, अपनी चित्रों के जरिए उसे लौटाने की कोशिश करता हूं। उन्होंने हमें मौत को आगे करके जीना सिखाया है कि हम कभी भी इस दुनिया से जा सकते हैं। हम सब यहां मेहमान हैं, तो जब तक हो, अच्छे से रहो।

मेरे लिए सफलता का मापदंड यह है कि आप आज में कितने जिंदा हैं

हर रोज आसपास के लोग दुनिया से जा रहे हैं। जब एक बार आपको यह अहसास हो जाएगा कि ये दुनिया आपका घर नहीं है तो आपकी जिंदगी से तनाव, भविष्य की चिंता, दिखावा, बेईमानी, ये सब खत्म हो जाएगी। आप जिंदगी को जीने लगेंगे कि अरे, इतनी सुंदर जिंदगी है और हम किन चीजों में उलझे हुए हैं। मैं दुनिया में उसको धनी मानता हूं, जिसके पास खुद के लिए समय है। मेरे लिए सफलता का मापदंड यह है कि आप आज में कितने जिंदा हैं। जैसे, मेरा कोई अतीत नहीं है, इसलिए मेरा कोई भविष्य भी नहीं है। मैं इस पल में जीता हूं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I.No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।